RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

नोएडा के स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं

मुर्शिदाबाद जल रहा है लेकिन चुप है विपक्ष: योगी

उत्तर प्रदेश अब दंगा मुक्त, 2017 से पहले अलग थी तस्वीर

लखनऊ (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंगाल हिंसा को लेकर एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि आज मुर्शिदाबाद जल रहा है, लेकिन लोग चुप्पी साधे हुए हैं। याद कीजिए 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में भी ऐसे ही होता था। मुजफ्फरनगर में छह महीने तक दंगा हुआ। बरेली के लिए तो जैसे साल में चार दंगे पेटेंट हो गए थे। अलीगढ़, लखनऊ, कानपुर जैसे जिलों में दंगे होते थे। लोग डर में रहते थे, व्यापारी व्यापार करने से घबराता था। आज तो दंगा नहीं होता। आज उत्तर प्रदेश दंगा मुक्त है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में एक मीडिया हाउस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। सीएम योगी ने कहा 'ये तो वही उत्तर प्रदेश था, जहां हर दूसरे-तीसरे दिन दंगे होते थे। जैसे आज मुर्शिदाबाद जल रहा है, याद करिए 17 के पहले उत्तर प्रदेश में भी ऐसे ही होता था। कोई पर्व या त्योहार आता था तो पर्व और त्योहार का उत्साह इसलिए मंद पड़ जाता था, सज्जन और शरीफ लोगों को आशंका होती थी कि पता नहीं दंगा की चपेट में कौन आ जाए। व्यापारी इसलिए व्यापार करने से घबराता था कि कब दंगा हो जाए और उसका सामान आग की भेंट चढ़ जाए। आज तो दंगा नहीं होता है, आज तो उत्तर प्रदेश दंगा मुक्त है।'

सीएम योगी ने कहा कि हम जब आए, तब बताया गया कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे बन रहा है। जब समीक्षा की, तब बताया गया कि कार्य प्रारंभ ही नहीं हुआ। 2016 में बिना जमीन के शिलान्यास हो गया। 15,200 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट था। वही एक्सप्रेस-वे हमने बाद में 11,800 करोड़ रुपये में बनाया। ये वही लोग हैं, जो इंग्लैंड की यात्रा करते हैं और बाद में शराफत का चेहरा लेकर आपके बीच मीठी-मीठी बातें करने आते हैं।

पूरे 49 साल का हो गया है नोएडा शहर

आज नोएडा का 50वां स्थापना दिवस है। आज यानि 17 अप्रैल 2025 को नोएडा शहर पूरे 49 साल का हो गया है। नोएडा शहर की स्थापना 17 अप्रैल 1976 को हुई थी। नोएडा शहर को उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास अधिनियम के तहत स्थापित किया गया था। पिछले 49 वर्षों में नोएडा तेजी के साथ विकसित हुआ है। आज नोएडा को एशिया का सर्वश्रेष्ठ नगर माना जाता है। भारत के सबसे बड़े प्रदेश के रूप में प्रसिद्ध उत्तर प्रदेश की औद्योगिक राजधानी के नाम से भी नोएडा की पहचान हुई है। नोएडा शहर को हॉर्ट ऑफ इण्डिया भी कहा जाता है। नोएडा के 50वें स्थापना दिवस के मौके पर हम आपको नोएडा के इतिहास से परिचित करा रहे हैं।

1972 से शुरू हुई थी नोएडा की कहानी

आपको बता दें कि नोएडा वो शहर है जिसने दिल्ली से सटे होने के बाद भी अपनी पहचान नहीं खोई। इसका इतिहास लगभग 50 साल पुराना है। इस शहर की शुरूआत उस समय हुई जब दिल्ली की जनसंख्या बढ़ने लगी थी और इस कारण ये चिंता का विषय बन गया था कि आखिर इस बढ़ते खतरे को कम कैसे किया जाए। इस समय उत्तर प्रदेश में दिल्ली के पास स्थित 50 गांवों को यमुना-हिंडन-दिल्ली बॉर्डर रेगुलेटेड एरिया घोषित किया गया था। मार्च में ये घोषणा हुई और फिर दिल्ली के आस-पास के गांव धीरे-धीरे डेवलप होते चले गए। ये बहुत पुरानी बात नहीं है, लेकिन तब तक नोएडा नहीं बना था। इसके बाद आया वह काला साल जिसे इमरजेंसी के नाम से जानते है। इस साल को शायद ही कोई भूला हो। साल 1975 में कई बड़े-बड़े बदलाव हुए। सियासी उठा पटक के बीच आनन फानन में यमुना-हिंडन-दिल्ली बॉर्डर रेगुलेटेड एरिया को ओखला इंडस्ट्रियल एरिया बना दिया गया। ये 1976 के यूपी इंडस्ट्रियल एक्ट के तहत था। अब जब इंडस्ट्रियल एरिया बनाया गया था और वहां आस-पास के इलाकों में काम करने वाले लोग रहने लगे थे। फिर एक शहर और बेसिक

सुविधाओं की जरूरत होने लगी। उस समय नोएडा (न्यू ओखला इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी) की स्थापना की गई। नोएडा अथॉरिटी शहर को बनाने की प्लानिंग कर रही थी और उसके बाद इसी के नाम पर नोएडा नाम दिया गया।

1 साल में तैयार हुआ रोड मैप

आपको जानकार हैरानी होगी कि उस समय बुलंदशहर के डीएम रह चुके धीरेंद्र मोहन मिश्रा को नोएडा का ब्लूप्रिंट तैयार करने को कहा गया था। इस काम में उन्हें अप्रैल 1975 से अप्रैल 1976 तक का समय लग गया् था, आखिरकार नोएडा का ब्लू प्रिंट बनकर तैयार हो गया। उस समय नोएडा अथॉरिटी के सीईओ भी डीएम धीरेंद्र मोहन मिश्रा को बनाया गया था। उस वक्त ये सरकारी शहर नहीं बल्कि एक अथॉरिटी जैसा था। जिस दिन नोएडा बनाने की घोषणा हुई उसके बाद से 36 गांवों की जमीन जब्त करने का नोटिस भी जारी किया गया था। धीरे-धीरे शहर की शक्ल सामने आने लगी। इस शहर की प्लानिंग करते समय कई बार ऑफिस बदले गए और कई बार इस शहर की कहानी लिखी गई। दिल्ली के आस-पास के गांव एक पूरा शहर बनने लगे। नोएडा की कहानी बहुत ही सिस्टमैटिक थी और इसे प्लान करके तैयार किया गया था।

'सभी मायनों में नोएडा देश ही नहीं विश्व में रहने के लिए लोगों के लिए पसंदीदा ठिकाना बने इसके लिए प्राधिकरण काम करेगा। लोगों को रोजगार के मौके देना, कंपनियों को निवेश के लिए आकर्षित करना लक्ष्य होगा। आम जन से जुड़ी सुविधाओं को भविष्य के शहर के हिसाब से योजना तैयार कर धरातल पर उतारा जाएगा।'

डॉ. लोकेश एम
सीईओ, नोएडा प्राधिकरण

भारत के पुरातन काल और आजादी के दौर से जुड़ा है नोएडा

बता दें कि नोएडा का इतिहास पुराने होने के कारण यहां मौजूद कई प्राचीन मन्दिर आज भी वैसे ही है। दरअसल दनकौर में द्रोणाचार्य तथा बिसरख में रावण के पिता विश्रवा ऋषि का प्राचीन मन्दिर यहां आज भी मौजूद है। ग्रेटर नोएडा स्थित रामपुर जागीर गांव में स्वतन्त्रता संग्राम के समय 1919 में मैनपुरी षड्यंत्र करके फरार हुए राम प्रसाद 'बिस्मिल' भूमिगत होकर कुछ समय के लिये यहीं रहे थे। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे के किनारे स्थित नलगढ़ा गांव में भगत सिंह ने भूमिगत रहकर कई तरह के बम-परीक्षण भी किये थे। यहां आज भी एक बहुत बड़ा पत्थर सुरक्षित तरीके से रखा हुआ है।

ग्रेटर नोएडा में पेड़ से टकराई स्कूल बस, 4 बच्चों को लगी चोट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आज सुबह ग्रेटर नोएडा वेस्ट में एक निजी स्कूल की बस का एक्सीडेंट हो गया। यह हादसा तब हुआ जब हनुमान मूर्ति से बिसरख की ओर जाने वाली सड़क पर बस जा रही थी। शुरुआती जानकारी के अनुसार, बस पहले डिवाइडर से टकराई और फिर पेड़ में जाकर भीड़ गई। इस दौरान बस में 17 बच्चे सवार थे, जिनमें 4 बच्चों को चोट लगी है। बस के ड्राइवर और हेल्पर को चोटें आई हैं।

दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर हड़कंप मच गया। घायल बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, बस के ड्राइवर और हेल्पर को भी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई गई। आज सुबह को सूचना मिली कि थाना बिसरख क्षेत्र के (शेष पृष्ठ-7 पर)

गोकश को पुलिस ने किया लंगड़ा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी पुलिस ने बीती रात मुठभेड़ के बाद एक गोकश को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में गोकश के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। मुठभेड़ के दौरान इसका एक साथी मौके से फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है। एडीसीपी ग्रेटर नोएडा सुधीर कुमार बताया कि (शेष -7 पर)

महिला ने फेसबुक पर डाली भद्दी पोस्ट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। फेसबुक आईडी से एक व्यक्ति को बदनाम करने की नीयत से भ्रामक, उत्तेजक व आपत्तिजनक पोस्ट करने पर एक महिला के खिलाफ थाना जेवर में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पीड़ित के मुताबिक आरोपी महिला अपराधिक किस्म की है और उसके खिलाफ पूर्व में भी कई मामले पंजीकृत हैं।

जेवर के होली चौक में रहने वाले संजीव शर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसे 11 अप्रैल को जानकारी मिली कि कस्बे की रहने वाली राधा शर्मा ने अपनी फेसबुक आईडी से उसे बदनाम करने की नीयत से (शेष पृष्ठ-7 पर)

तीन युवकों ने महिला की आँख फोड़ी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के झुंडपुरा गांव में रहने वाले तीन युवकों ने पड़ोस में महिला के साथ मारपीट की। मारपीट में महिला की आंख में चोट लग गई जिसका उपचार चल रहा है। महिला के पति ने तीनों युवकों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है।

झुंडपुरा गांव में रहने वाले मंगरु अंसारी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 15 अप्रैल की रात्रि को उसके पड़ोसी साजिद, जाकिर व शाहरून उसके घर पहुंचे और उसकी पत्नी रवीना से (शेष पृष्ठ-7 पर)

50वें स्थापना दिवस पर प्राधिकरण में हवन व पूजन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा शहर की स्थापना के 49 वर्ष पूरे होने तथा 50वें स्वर्णिम वर्ष में प्रवेश करने पर नोएडा प्राधिकरण के सेक्टर-6 स्थित प्रशासनिक कार्यालय पर आज वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन किया गया। (शेष पृष्ठ-7 पर)

स्थापना दिवस पर 7वें वाटर एटीएम का शुभारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। आज नोएडा के 50वें स्थापना दिवस पर नोएडावासियों को स्वच्छ व शीतल जल मुहैया करने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने चौड़ा गांव तथा सेक्टर-24 ईएसआई हॉस्पिटल के पास 7वें वॉटर एटीएम का शुभारंभ किया। (शेष पृष्ठ-7 पर)

स्टोर कीपर की सड़क हादसे में मौत

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-126 क्षेत्र में ट्रक की टक्कर लगने से एक युवक की मौत हो गई। युवक एक बिल्डर साइट पर स्टोर कीपर की नौकरी करता था।

एडिकों इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के साइट इंचार्ज महिपाल सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि मूल रूप से रायबरेली का रहने वाला आकाश उनके यहां स्टोर कीपर का काम करता था। 16 अप्रैल की तड़के ट्रक चालक ने तेजी व लापरवाही से ट्रक चला कर स्टोर कीपर आकाश को टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल आकाश को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों से मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और ट्रक नंबर के आधार पर उसकी तलाश की जा रही है।

ADMISSION OPEN
SARASWATI GLOBAL SCHOOL
NCERT BOOKS
(Buy NCERT Books from any stationary shop)
Sector 22 Noida
Mob.8750611103

भगोड़े को संदेश

हाल ही में मुंबई हमले के मुख्य साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को भारत लाने और अब बेल्जियम में सबसे बड़ी बैंकिंग धोखाधड़ी करके फरार हुए हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी के गहरे निहितार्थ हैं। इससे देश में अपराध करके भागने वालों के लिये सख्त संदेश जाएगा कि वे साफ बचकर नहीं निकल सकते। जांच एजेंसियों की सतर्कता, अधिकारियों की तत्परता और सत्ताधीशों की सजगता स्थितियां बदल सकती है। बहरहाल, चोकसी की गिरफ्तारी से यह उम्मीद जरूर जगी है कि देर-सवेर भारत लाकर उस पर मुकदमा चलाया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि साल 2018 में देश के सबसे बड़े बैंक घोटाले के जरिये चोकसी एंड पार्टी ने पूरे देश की बैंकिंग व्यवस्था को हिलाकर रख दिया था। चोकसी पर आरोप है कि उसने पंजाब नेशनल बैंक के साथ करीब तेरह हजार करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। आरोप है कि इस धोखाधड़ी में कथित तौर पर बैंक अधिकारियों और अन्य लोगों की भी गहरे तक मिलीभगत थी। दरअसल, इस बड़े घोटाले के सार्वजनिक होने से पहले ही मेहुल चोकसी और सह-आरोपी उनका भतीजा नीरव मोदी भारत से भागने में सफल हो गए थे। नीरव को वर्ष 2019 में ब्रिटेन में गिरफ्तार कर लिया गया था। वह अभी भी वहीं हिरासत में है। लेकिन येन-केन-प्रकारेण तथा लगातार नयी दलीलें देकर अपना प्रत्यर्पण टालने में सफल रहा है। दरअसल, पश्चिमी देशों में सशक्त नागरिक व मानव अधिकारों का दुरुपयोग ये अभियुक्त अपनी खाल बचाने के लिये बखूबी करते हैं। दूसरे उनके पास घोटाले का पर्याप्त पैसा है, जिससे वे महंगी कानूनी लड़ाई के जरिये अपना बचाव करने में कामयाब होते रहे हैं। बहरहाल, भले ही चोकसी की बेल्जियम में गिरफ्तारी हो गई है,लेकिन उसकी जल्दी वापसी इतनी भी आसान नहीं है। इस मामले को देख रहे अधिकारियों को अभी लंबी कानूनी लड़ाई के लिये तैयार रहना होगा। यह तय है कि चोकसी अपनी रिहाई सुनिश्चित करने तथा अपना प्रत्यर्पण टालने के लिये कानूनी मोर्चे पर कोई कसर नहीं छोड़ने वाला है। निश्चित रूप से हमें बचाव पक्ष के वकीलों की रणनीति को लेकर कोई आश्चर्य न होगा कि चोकसी के खराब स्वास्थ्य को आधार बनाकर जमानत लेने का प्रयास किया जाए। खबरों में बताया जा रहा है कि चोकसी कैंसर का इलाज करा रहा है। वहीं दूसरी ओर देश में अपराध करके भागने वाले लोग विदेशी अदालतों में यह दलील देने से नहीं चूकते कि भारत में जेलों के हालात खराब है और वे उन स्थितियों में नहीं रह सकते। ऐसे में भारतीय जांच एजेंसियों को इस तरह के कुतर्कों का पुख्ता तरीके से मुकाबला करने के लिये पूरी तैयारी के साथ विदेशी अदालतों में अपना पक्ष सशक्त ढंग से रखना होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस प्रकरण में भारत के सबसे बड़े बैंक घोटाले की जांच दांव पर है। इसके अलावा इस मामले में भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम की प्रभावशीलता की भी कसौटी शामिल है। जिसे राजग सरकार ने वर्ष 2018 में मेहुल चोकसी व नीरव मोदी के देश से भागने के बाद लागू किया था। यह विडंबना ही कही जाएगी कि चोकसी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने तथा अधिनियम के प्रावधानों के तहत उसकी संपत्ति जब्त करने की प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पिछले सात सालों से मुंबई की एक अदालत में लंबित है। बहरहाल, देश के सबसे बड़े बैंकिंग घोटाले में चोकसी के खिलाफ कार्रवाई तेज की जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के सख्त कानूनी प्रावधानों के चलते पिछले कुछ सालों में बैंकिंग धोखाधड़ी में शामिल राशि में उल्लेखनीय कमी आई है। निस्संदेह, यह एक स्वागत योग्य पहल है, लेकिन बड़ी मछलियों पर शिकंजा कसने तथा बैंक के खाताधारकों का भरोसा हासिल करने के लिये अधिक प्रयासों की जरूरत है। ऐसे मामलों में कानूनी प्रक्रिया को फास्ट ट्रैक अदालतों के जरिये तेज करने तथा भगोड़े आर्थिक अपराधियों को कूटनीतिक प्रयासों के जरिये भारत लाने के प्रयासों को भी गति देने की जरूरत है। बैंकिंग व्यवस्था में खाताधारकों का भरोसा कायम रखने के लिये यह अपरिहार्य शर्त है।

तेजस्वी-राहुल मुलाकात में भी नहीं बनी बात

बिहार की राजनीति में 90 के दशक में लालू यादव के ताकतवर होने के साथ ही कांग्रेस समेत अन्य कई राजनीतिक दलों के बुरे दिन शुरू हो गए थे। बीजेपी के समर्थन से सरकार चला रहे लालू यादव ने वर्ष 1990 में लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार करा कर सबको चौंका दिया था। उस समय आडवाणी को जिस अधिकारी (आरके सिंह) ने गिरफ्तार किया था, उन्हें नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार में केंद्रीय मंत्री भी बनाया था। वहीं सरकार को बनाए रखने के लिए लालू यादव ने अनगिनत बार कम्युनिस्ट पार्टी के विधायकों को तोड़ने का काम किया। कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल को तो लालू यादव ने बिहार में अपनी बी टीम बनाकर छोड़ दिया था। लालू यादव सीधे कांग्रेस आलाकमान से डील किया करते थे और बिहार कांग्रेस के नेताओं को हमेशा लालू यादव से डर कर रहना पड़ता था।

बिहार में कांग्रेस नेताओं की हालत इतनी दयनीय हो गई थी कि हाल ही में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के साथ दिल्ली में हुई बैठक में कई नेताओं ने यह शिकायत भी की कि आरजेडी के नेता कांग्रेस नेताओं को सम्मान नहीं देते हैं। उस समय राहुल गांधी ने कहा था कि सम्मान मांगने से नहीं मिलता, बल्कि सम्मान हासिल करना पड़ता है। लेकिन राहुल गांधी के मिशन बिहार से काफी कुछ बदलता हुआ नजर आ रहा है।

बिहार के लगातार दौरे पर जाकर राहुल गांधी ने राज्य की राजनीति को समझने का प्रयास किया। अपने करीबी नेता कृष्णा अल्लावरु को बिहार कांग्रेस का प्रभारी बनाकर भेजा। लालू यादव के करीबी माने जाने वाले अखिलेश प्रसाद सिंह को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर एक दलित नेता राजेश राम को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद कन्हैया कुमार को %पलायन रोको, नौकरी दो% यात्रा का चेहरा बनकर बिहार की सड़कों पर उतरने का मौका दिया। आने वाले दिनों में लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद पप्पू यादव को भी बड़ी भूमिका देने की खबरें निकल कर सामने आ रही है।

कांग्रेस के आक्रामक तेवरों को देखते हुए लालू यादव काफी हद तक असहज हो गए। उन्होंने अपने बेटे तेजस्वी यादव (जिन्हें वे पहले ही मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर चुके हैं) को पटना में 17 अप्रैल को होने वाली महागठबंधन की बैठक से पहले ही राहुल गांधी के साथ सब कुछ तय करने के लिए आनन-फानन में दिल्ली भेजा। मंगलवार को तेजस्वी यादव ने कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर राहुल गांधी के साथ बैठक की। लेकिन राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव को कांग्रेस की अहमियत बताने के लिए इसको एक बड़ी बैठक बना दिया। इस बैठक में कांग्रेस की तरफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के अलावा राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और गुरदीप सिंह सप्पल भी मौजूद रहे। वहीं तेजस्वी यादव अपने साथ पार्टी के राज्यसभा सांसद मनोज झा और संजय यादव को लेकर गए थे।

लेकिन तेजस्वी यादव की यह दिल्ली यात्रा उनके लिए उतनी लाभदायक नहीं रही, जितनी वह उम्मीद कर रहे थे। कांग्रेस ने आरजेडी के ऑफर (यानी 50 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने) को सिरे से नकार दिया और पिछली बार की तरह 70 सीटों की मांग रख दी। इतना ही नहीं कांग्रेस की तरफ से यह भी कहा गया कि पिछली बार की तरह कांग्रेस कमजोर और हारने वाली सीटों को स्वीकार नहीं करेगी। सीट को लेकर विस्तार से चर्चा पटना की बैठक में होगी। वहीं मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर भी कांग्रेस ने फिलहाल अपने पत्ते खोलने से साफ इनकार कर दिया है।

बिहार में कांग्रेस नेताओं की हालत इतनी दयनीय हो गई थी कि हाल ही में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के साथ दिल्ली में हुई बैठक में कई नेताओं ने यह शिकायत भी की कि आरजेडी के नेता कांग्रेस नेताओं को सम्मान नहीं देते हैं।

दिल्ली की बैठक बेनतीजा रही, यह बैठक के बाद आए बयानों से भी साफ पता चलता है। बड़ी उम्मीदों के साथ दिल्ली आए तेजस्वी यादव ने बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि, पता नहीं आप लोग क्यों चिंतित रहते हैं चेहरे के लिए। यह हम लोगों की चीजें हैं। हम लोगों की बातचीत के बाद सारी चीजें सामने आ जाएंगी। इसमें आप लोगों को परेशान होने की कोई आवश्यकता नहीं है।

मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर पत्रकारों ने यही सवाल बैठक से बाहर आए कांग्रेस के नेताओं से भी पूछा। कृष्णा अल्लावरु ने भी साफ और स्पष्ट शब्दों में कह दिया कि , अगर पहली मुलाकात में ही सब कुछ तय हो गया होता तो वे इसकी जानकारी जरूर देते। मतलब साफ है कि गठबंधन में अभी काफी पेंच फंसा हुआ है। कांग्रेस इस बार झुकने को तैयार नहीं है।

बिहार में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा के चुनाव होने है। आरजेडी चाहती थी कि पहले कांग्रेस के साथ सारे मुद्दे तय कर लिए जाएं, फिर गठबंधन में शामिल अन्य राजनीतिक दलों के साथ बैठक की जाए। लेकिन देश की राजधानी दिल्ली में खरगे के आवास पर हुई पहले दौर की बैठक में कई मुद्दों पर सहमति बनाने की कोशिश कामयाब नहीं हो पाई।

आपको बता दें कि, 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे के तहत आरजेडी 144, कांग्रेस 70, सीपीआई (एमएल) 19, सीपीआई 6 और सीपीआई (एम) 4 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। विपक्षी गठबंधन के प्रदर्शन की बात करें तो, आरजेडी को 75, कांग्रेस को 19, सीपीआई(एमएल) को 12 और सीपीआई एवं सीपीआई(एम) को 2-2 सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

आरजेडी कांग्रेस को 70 में से सिर्फ 19 सीटें जीतने की याद दिलाते हुए, इस बार सिर्फ 50 सीटों पर लड़ने की बात कह रहा है। जबकि कांग्रेस 70 से कम पर मानने को तैयार नहीं है। ऐसे में अब सबकी निगाहें, 17 अप्रैल को पटना में होने वाली महागठबंधन की बैठक पर टिक गई है। कांग्रेस सीटों की संख्या और सीटों के नाम के ऐलान के साथ ही उपमुख्यमंत्री के पद पर भी अड़ गई है। आरजेडी जब तक इन मुद्दों पर कांग्रेस की बात नहीं मान लेती है, तब तक कांग्रेस भी मुख्यमंत्री पद को लेकर अपने पत्ते खोलने को तैयार नहीं है। इसके साथ ही कांग्रेस इस बार एक साझा कार्यक्रम के आधार पर चुनाव में जाना चाहती है।

- संतोष कुमार पाठक

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि कानों में अमृत के समान लगने वाले वचन सुनते ही उनका शरीर पुलकित और प्रफुल्लित हो गया। तब मनुजी दण्डवत करके बोले- प्रेम हृदय में समाता न था- ॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सुनु सेवक सुरतरु सुरधेनू। बिधि हरि हर बंदित पद रेनू॥
सेवत सुलभ सकल सुखदायक। प्रनतपाल सचराचर नायक॥

हे प्रभो! सुनिए, आप सेवकों के लिए कल्पवृक्ष और कामधेनु हैं। आपके चरण रज की ब्रह्मा, विष्णु और शिवजी भी वंदना करते हैं। आप सेवा करने में सुलभ हैं तथा सब सुखों के देने वाले हैं। आप शरणागत के रक्षक और जड़-चेतन के स्वामी हैं॥

जौं अनाथ हित हम पर नेहू। तौ प्रसन्न होई यह बर देहू॥
जोसरूप बस सिव मन माहीं। जेहिं कारन मुनि जतन कराहीं॥

हे अनाथों का कल्याण करने वाले! यदि हम लोगों पर आपका स्नेह है, तो प्रसन्न होकर यह वर दीजिए कि आपका जो स्वरूप शिवजी के मन में बसता है और जिस (की प्राप्ति) के लिए मुनि लोग यत्न करते हैं॥

जो भुसुंडि मन मानस हंसा। सगुन अगुन जेहि निगम प्रसंसा॥
देखहिं हम सो रूप भरि लोचन। कृपा करहु प्रनतारति मोचन॥

जो काकभुशुण्डि के मन रूपी मान सरोवर में विहार करने वाला हंस है, सगुण और निर्गुण कहकर वेद जिसकी प्रशंसा करते हैं, हे शरणागत के दुःख मिटाने वाले प्रभो! ऐसी कृपा कीजिए कि हम उसी रूप को नेत्र भरकर देखें॥

(क्रमशः...)

जल और वायु के बिना...

जल एवं वायु के बिना संसार में किसी भी प्राणधारी के अस्तित्व की परिकल्पना नहीं की जा सकती। यह कहना तर्कसंगत है कि जल ही जीवन है तथा वायु के बिना धरती पर जीवन असंभव है। जल एवं वायु धरती के प्राणधारियों के लिए प्रकृति की ओर से मिला अद्भुत उपहार है, लेकिन मानव द्वारा निजी स्वार्थों के लिए प्रकृति से छेड़छाड़ की जा रही है। इससे मानव सहित अन्य सभी प्राणियों पर प्रदूषण का खतरा मंडराने लगा है तथा यह भविष्य में तबाही के संकेत है। पर्यावरण गड़बड़ाने से मौसम का घटनाचक्र बदलने लगा है। धरती का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। परिणामस्वरूप हिमालय पर स्थित हजारों वर्ष पुराने ग्लेशियर पिघलने लगे हैं। इसलिए गर्मियों में अत्यधिक गर्मी हो जाती है तथा सर्दियों में कड़ाके की ठंड होने लगी है। कभी भयंकर सूखा पड़ जाता है। कभी इतनी अधिक बारिश हो जाती है कि जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो जाता है। बादल फटने की घटनाएं आम हो गई हैं। पहाड़ दरकने लगे हैं तथा भूस्खलन से हर वर्ष काफी नुकसान होता है। पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए सरकार का ही नहीं बल्कि पूरे समाज का नैतिक दायित्व है। जलवायु में बढ़ते प्रदूषण से पर्यावरण प्रेमी अत्यंत चिंतित हैं। भू-विज्ञान के अनुसार पृथ्वी के लगभग दो तिहाई भाग में पानी है। लेकिन यह सारा पानी पीने योग्य नहीं है जबकि शेष बचे भूभाग में जनजीवन है। यहीं उपलब्ध पानी से समस्त प्राणियों की आवश्यकताएं पूरी होती हैं, मगर निरंतर प्रदूषित हो रहे पर्यावरण का सबसे अधिक प्रभाव जल और वायु पर ही पड़ता है। प्रकृति से ही हो रही छेड़छाड़ से पारंपरिक जल स्त्रोतों का अस्तित्व खतरे में है तथा वायुमंडल पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। परिणामस्वरूप लगभग आधी से अधिक जनसंख्या के लिए नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा है। इसलिए यह कहा जा रहा है कि धरती पर यदि तृतीय विश्व युद्ध होगा तो उसका कारण स्वच्छ पेयजल ही होगा। इसलिए देश एवं दुनिया में बिगड़ रहा पर्यावरण भविष्य के लिए कड़ी चुनौती होगी। मनुष्य शुरू से ही पर्यावरण संतुलन के प्रति संवेदनशील रहा है।

सैकड़ों वर्ष पहले बुजुर्गों ने भविष्य के इस खतरे को भांप लिया था। इसलिए उन्होंने वीरान पड़ी भूमि पर विभिन्न श्रेणियों के पेड़ लगाए। इनसे प्राणधारियों के लिए पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिल रही है। इसके साथ ही इन वृक्षों की शीतल छाया से तापमान स्थिर रहता है तथा जमीन में भी नमी बनी रहती है। एक समय था जब प्राकृतिक जल स्त्रोतों का संरक्षण करना लोग पुण्य का कार्य समझते थे। युवा वर्ग सप्ताह-दो सप्ताह के बाद जलस्त्रोतों की सफाई करते थे। कर्मकांड के ज्ञाता यदि किसी व्यक्ति को ग्रह शांति का उपाय बताते थे, उनमें जलस्त्रोतों व रास्ते की सफाई प्रमुख होती थी।

विशालकाय पीपल या वटवृक्ष के नीचे लोग प्याऊ लगाते थे। प्रतिदिन वहां रखे मिट्टी के बड़े-बड़े घड़ों में पानी भरा जाता था। बदलते समय में लोग अपने कर्त्तव्यों को भूल गए हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण नहीं हो पा रहा है। पहले कच्चे घर आंगन होने से बरसाती पानी का जमीन में रिसाव हो जाता था। इससे भी इनमें नमी बनी रहती थी। अब घर आंगन भी पक्के हैं, इससे बरसात का पानी एकदम बह जाता है।

विकास की अंधी दौड़ में भी पर्यावरण प्रभावित हुआ है। लंबी चौड़ी सडक़ों को पक्का करने, बड़े बड़े भवनों के निर्माण तथा कंक्रीट के बड़े-बड़े मैदानों के बनने से तापमान प्रभावित हुआ है। जमीन पर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। निर्माण कार्य के लिए अंधाधुंध खनन हो रहा है। इनमें प्रयोग होने वाली लकड़ी के लिए पेड़ों का कटान हो रहा है। इससे पर्यावरण पूरी तरह प्रभावित हुआ है। उपजाऊ भूमि रेत में बदल गई है। नदियों, खड्डों व नालों में रेत, बजरी एवं पत्थरों का अंधाधुंध खनन हुआ है। इससे प्राकृतिक जल स्त्रोत लुप्त हो गए हैं।

-रामलाल पाठक
स्वतंत्र लेखक

राशिफल

चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्थी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
आमदनी में वृद्धि होगी। कुटुंबों में वृद्धि होगी। शब्द-साधक की तरह व्यवहार करेंगे।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
सुकुमारता के प्रतीक बने रहेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। शुभता के प्रतीक बने रहेंगे।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
खर्च की अधिकता रहेगी, हालांकि शुभ कार्यों में खर्च होगा। प्रेम-संतान की स्थिति मध्यम।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शुभ समय। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगा। राजनीतिक लाभ होगा। व्यापारिक संतुलन बनेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की होगी। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम-संतान अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी व व्यापार अच्छा रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
संतान की स्थिति बहुत अच्छी है। प्रेम की स्थिति बहुत अच्छी है। व्यापारिक दृष्टिकोण से भी शुभ संकेत।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी के प्रबल योग बन रहे हैं। घर में कुछ उत्सव हो सकता है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम-संतान का साथ होगा।

ईडी के खिलाफ मुखर हुए कांग्रेसी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला व शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला कलेक्ट्रेट सूरजपुर पर बीते दिन प्रवर्तन निदेशालय द्वारा नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गाँधी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी का नाम शामिल कर चार्जशीट दाखिल करने के खिलाफ जोरदार आंदोलन प्रदर्शन किया गया।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि केंद्र सरकार बहुत पहले से सरकारी तंत्र का इस्तेमाल करके विपक्ष के नेताओं को प्रताड़ित करने का काम रही है। हमने पहले भी देखा है कि किस तरह से हमारे नेता राहुल गाँधी को घंटों लगातार पूछताछ के लिए बुलाकर परेशान करने का काम सरकार के इशारे पर संवैधानिक संस्थाओं में शीर्ष पदों पर बैठे लोगों ने किया था।

जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कार्यकर्ताओं व ज्ञापन के लिए उपस्थित सिटी मजिस्ट्रेट विवेकानन्द मिश्रा व उपजिलाधिकारी वेदप्रकाश पांडेय से मुखातिब होते हुए कहा कि अब चूँकि बिहार में विधान सभा के चुनाव हैं, लगभग 20 वर्षों से जमी जन-विरोधी बिहार सरकार के खिलाफ कांग्रेस पार्टी व गठबंधन के सहयोगी निर्णायक राजनितिक लड़ाई जीतने जा रहे हैं नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी लगातार सरकार को प्रत्येक मोर्चे पर घेरने का काम कर रहे हैं परिवर्तन-पलायन रोको यात्रा निकली जा रही है इसलिए प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गाँधी परिवार का नाम मोदी सरकार के इशारे पर विद्वेषवश चार्जशीट में नामजद किया गया है।

नोएडा शहर अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को मुकाबला करना है तो लड़ाई राजनितिक रूप से लडे, तंत्र को ढाल बनाने का हर प्रयास कांग्रेस को और एकजुट व मजबूत करेगा।

आक्रोश प्रदर्शन में मुकेश यादव, अजय चौधरी, अशोक पंडित, पुरुषोत्तम नागर, गौतम अवाना, वसील अहमद, धर्म सिंह बाल्मीकि, मुकेश शर्मा, निशा शर्मा, कपिल भाटी एडवोकेट, नीरज लोहिया, मोहित भाटी एडवोकेट, पुनीत मावी, बिन्नू नेता जी, ललित अवाना, रिजवान चौधरी, उषा श्रीवास्तव, देवेश चौधरी, महाराज सिंह, सर्वेश शर्मा, शुभम कश्यप, गौतम सिंह, सुबोध भट्ट, नितीश चौधरी, विजय नेता जी, सतीश बाल्मीकि, सचिन बाल्मीकि, सचिन जीनवाल, बिन्नू नेता जी, कैलाश बंसल, आर0 के0 प्रथम, नदीम प्रधान, आस मौहम्मद, धीरा सिंह, रमेश जीनवाल, आतिश, रघुवीर प्रधान, विपिन त्यागी, विवेक अवाना,रूपेश भाटी, विक्रम चौधरी, कुणाल, शिवा, राजकुमार, रामानुज तिवारी, विकास कुमार, संदीप भाटी, के0 के0 भाटी, गिरीश शर्मा, दिनेश निर्वाण, अनुज भाटी, अंकित यादव, सुजाता शर्मा, आँचल चौधरी, गौरव वसिष्ठ, ओमकार राणा, सौरभ तंवर, विक्रांत त्यागी आदि कांग्रेस कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

जिला जज अवनीश सक्सेना को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति बनाये जाने पर बधाई देते बार एसोसिएशन के अध्यक्ष परमेन्द्र भाटी (एडवोकेट)।

कविता

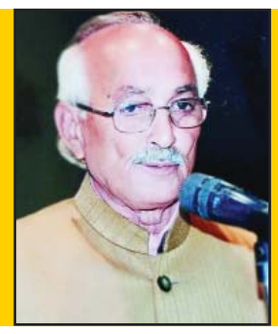

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

आज तड़के हमारे मोहल्ले के
एक बुजुर्ग मेरे पास आए
मुझको एक पते की बात बताए
बोले कवि जी हमारा देश महान है
मैंने कहा दादा वह कैसे
वह बोले क्योंकि हमारे देश की संसद में
बम ब्लास्ट कांड कि आरोपी
साध्वी और तड़ीपार तथा बलात्कार
करने वाले स्वामी है
अन्य देशों की संसद में यह खामी है।

अनिश्चितकालीन धरना 30वें दिन भी जारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गैर कानूनी तरीके से नौकरी से निकाले जाने के खिलाफ एवं अन्य श्रम समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर कान्ट्रेक्ट लेबर इम्पलाईज यूनियन 'सीटू' के बैनर तले 17 मार्च 2025 से अंबुजा सीमेंट लिमिटेड दादरी यूनिट एनटीपीसी रोड धूम मानिकपुर/ बढ़पुरा ग्रेटर नोएडा पर चल रहा अनिश्चित कालीन धरना 16 अप्रैल 2025 को 30 वें दिन भी जारी रहा।

सीटू के जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि जब तक श्रमिकों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा कंपनी के समक्ष धरना जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने कम्पनी प्रबंधकों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया और निकाले गए कर्मचारीयों को काम पर वापिस नहीं लिया तो 21 अप्रैल से श्रमिक कंपनी के अंदर विरोध स्वरूप काली पट्टी बांधकर उत्पादन कार्य शुरू करेंगे, 22 अप्रैल को कंपनी के गेट पर विरोध सभा की जाएगी और 24 से 26 अप्रैल 2025 को हड़ताल कर कंपनी का उत्पादन कार्य पूर्ण रूप से ठप कर दिया जाएगा जिसका नोटिस शासन-प्रशासन व कंपनी प्रबंधकों को भेज दिया गया है।

सूरजपुर में प्राचीनकालीन ऐतिहासिक बाराही मेला

छठे दिन की सांस्कृतिक छटा, सुरक्षा व्यवस्था और सरोवर की आस्था का संगम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बाराही मेला-.2025 के छठे दिन सोमवार को सूरजपुर की पावन धरा लोक.संस्कृति, श्रद्धा और जनसमूह की भागीदारी से जीवंत हो उठी। रागिनी, नृत्य, भजन और प्रशासनिक सहभागिता के साथ.साथ इस आयोजन का एक विशेष केंद्र रहा बाराही मंदिर परिसर का चमत्कारिक सरोवर, जिसकी ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्ता आज भी लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है।

कार्यक्रम की शुरुआत में शिव मंदिर सेवा समिति द्वारा मुख्य अतिथियों और कलाकारों का माल्यार्पण व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। समिति के अध्यक्ष धर्मपाल भाटी, महामंत्री ओमवीर बैसला, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंघल, मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा तथा बिजेंद्र ठेकेदार, सुनील देवधर, विनोद सिकंदराबादी, अनिल भाटी, ज्ञानेंद्र देवधर, रवि भाटी, लीलू भगत जी आदि पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

लोकप्रिय कलाकार रविंद्र खालौर एंड पार्टी के कलाकारों प्रीति कश्यप, सुनील चौहान, नीतू भाटी और अमित चौधरी ने रागनियों की सजीव प्रस्तुतियों से दर्शकों की तालियाँ बटोरीं। श्रवण नीर, वीर हकीकत राय, अरी तू मत जा बाराही मेले में.....जैसे प्रसंगों ने भावनात्मक समर्पण का संचार किया। सुनील चौहान और नीतू भाटी द्वारा कृष्ण.सुदामा, पूरणमल और रूप कुंवर की प्रस्तुति को भी खूब सराहना मिली। छाया चौधरी के लोकनृत्य ने मंच को ऊर्जा से भर दिया, वहीं प्रलय किशोर के भजनों और खुशी कौर के नृत्य ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

यूट्यूबर प्रदीप भाटी ने गुर्जर सुरमा जैसे देशभक्ति गीतों से युवाओं के बीच विशेष स्थान बनाया।

सूरजपुर कोतवाल विनोद कुमार सिंह, कस्बा चौकी प्रभारी अनिल कुमार सिंह यादव और बाराही मेला पुलिस चौकी प्रभारी राजवीर सिंह ने भी मंच पर शिरकत की और मेले की सुरक्षा व्यवस्था, आपात सेवाओं और भीड़ नियंत्रण उपायों की जानकारी दी। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से संयम और सहयोग की अपील की।

शिव मंदिर सेवा समिति के मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा ने बताया कि 17 अप्रैल 2025 को लॉर्ड गणेश पब्लिक स्कूल सूरजपुर के छात्र.छात्राएँ गीत.संगीत की मनोहारी प्रस्तुतियाँ देंगे। जब कि राजस्थानी लोक कला मंच पर प्रतिदिन की भांति राजबाला सपेरा और पार्टी लोकनृत्य प्रस्तुत करेंगी।

उन्होंने बताया कि रात्रिकालीन रागनी श्रृंखला में परवीन ताजपुरिया, नेहा शर्मा एंड पार्टी, कवि सुंदर गोहरा, रुस्तम सागर, लेखपाल भाटी, प्रवेश शर्मा, नीतू तोमर, कल्पना चौधरी और तन्नू ठाकुर एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देंगे।

इफको फूलपुर ने बाबा साहेब अम्बेडकर की 134वीं जयंती धूमधाम से मनाई

प्रयागराज/फूलपुर। इफको घियानगर फूलपुर स्थित सामुदायिक केन्द्र में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर अनेक सांस्कृतिक व शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुधीर कुमार सिंह तथा सीएमपी डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. दीनानाथ रहे। डॉ. सुधीर कुमार सिंह ने बाबा साहब के विचारों को उद्धृत करते हुए कहा कि उन्होंने जीवन भर शिक्षा, एकता और संघर्ष को अपना मूलमंत्र बनाया। उनका नारा शिक्षित बनो, संगठित हो और संघर्ष करो आज भी मार्गदर्शक है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अन्य वक्ताओं—एस.के. सिंह, शम्शुदोहा, शरद अग्निहोत्री, रिंकु भारती, जयंती हुड्डा, कालींदर तथा मकदूम फूलपुरी ने डॉ. अंबेडकर के जीवन दर्शन और सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला।

जयंती के उपलक्ष्य में बच्चों के लिए निबंध व चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विजेताओं को समारोह में सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त, इफको टीम और न्यूजेन सिक्योरिटी टीम के बीच एक रोमांचक वॉलीबॉल मैच का आयोजन भी किया गया, जिसमें इफको टीम विजयी रही।

इस अवसर पर इफको के महाप्रबंधक संजय भंडारी, संयुक्त महाप्रबंधक एस.के. सिंह एवं आर.पी. यादव, मानव संसाधन विभागाध्यक्ष शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी और महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्प्लाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव, तथा इफको एस.सी./एस.टी. वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजबली राम एवं महामंत्री हरिशंकर भारती उपस्थित रहे। समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों और प्रतिभागियों ने डॉ. अंबेडकर के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

गुर्जर महासभा की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा उत्तर प्रदेश के संगठन की बैठक प्रदेश के महामंत्री एवं मीडिया प्रभारी चेनपाल प्रधान के आवास बिरोंडा गांव में हुई जिसकी अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ईश्वर चौधरी ने की एवं संचालन प्रदेश संगठन महामंत्री अमरजीत चौधरी ने किया संगठन के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रवीर नागर ने अपने संबोधन में संगठन को मजबूत करने और समाज में कुरीतियों को दूर करने पर प्रकाश डाला संगठन के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सुखबीर सिंह आर्य जी ने बताया कि समाज में भिन्न-भिन्न कुर्तियां उत्पन्न हो रही है और इन कुरीतियों को दूर करने के साथ-साथ ही समाज में शिक्षा की नई अलख जगाने का काम करेगी संगठन संगठन के क्षेत्रीय अध्यक्ष कृष्ण पाल गुर्जर ने समाज को आगे बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की है की जनसंख्या के आधार पर सरकार में समाज की भागीदारी हो और समाज को सम्मान देने का कार्य करें

संगठन के प्रदेश महामंत्री चैनपाल प्रधान ने भी संगठन पर प्रकाश डालते हुए आगामी 10 मई को धन सिंह कोतवाल जी के बलिदान दिवस पर प्रकाश डाला और उनके पद चिन्हों पर चलने का आह्वान किया, पहलवान अमित भाटी ने भी समाज को एकत्रित होने के लिए प्रेरित किया, अखिल भारतीय गुर्जर महासभा उत्तर प्रदेश 1908 की इस आम बैठक में अहम मुद्दों पर विचार विमर्श हुआ और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई।

बैठक में उपस्थित राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ईश्वर सिंह, प्रदेश अध्यक्ष चंद्रवीर नागर, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुखबीर सिंह आर्य, प्रदेश संगठन महामंत्री अमरजीत चौधरी, प्रदेश महामंत्री चेनपाल प्रधान, प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष कृष्णपाल गुर्जर, क्षेत्रीय महामंत्री अरविंद भाटी, जिला अध्यक्ष गौतमबुधनगर कैप्टन पंचशील गुर्जर, समाजसेवी अमित पहलवान जिला अध्यक्ष मेरठ नरेंद्र भड़ाना, अमित विकल, राजू भाटी वह सम्मानित व्यक्ति सम्मिलित हुए।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

तमंचे के साथ गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर पुलिस ने तमंचा सहित एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया बदमाश अपराधिक घटना को अंजाम देने के इरादे से घूम रहा था।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। पुलिस टीम जब थोरा गांव के पास पहुंची तो मुखबिर ने सूचना दी कि एक बदमाश तमंचे के साथ रोही रोड के पास खड़ा हुआ है। बदमाश हथियार के बल पर किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बताया गए स्थान पर छापा मार कर एक व्यक्ति को दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से तमंचा कारतूस बरामद हुए ।

पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम पुष्पेंद्र पुत्र बेड़ीलाल निवासी ग्राम पारोही बताया। पकड़े गए पुष्पेंद्र ने स्वीकार किया कि वह अवैध हथियार के बल पर आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहा था। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

नोएडा के 50वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

50वें स्थापना दिवस पर जानिए

नोएडा शहर

को

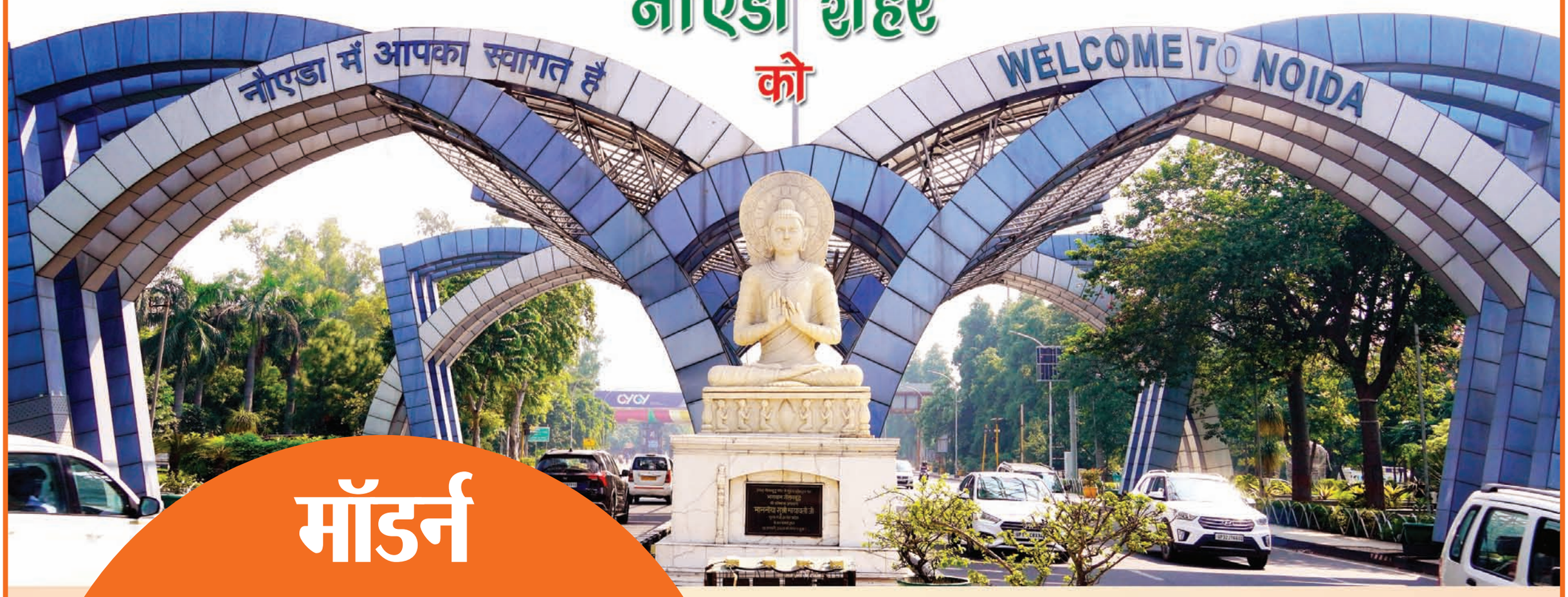

मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर और लिविंग स्टैंडर्ड की नई परिभाषा लिखता नौएडा

कुछ दशकों पहले दिल्ली के सैटेलाइट टाउन के रूप में सामने आने वाला न्यू ओखला इंडस्ट्रियल डेवेलपमेंट अथॉरिटी यानी नौएडा अब भारत का प्रमुख इंडस्ट्रियल, ऐजुकेशनल, कौमर्शियल हब बनने के साथ-साथ अर्बन सेंटर बन चुका है। यह सब संभव हुआ एक सुनियोजित अर्बन डेवेलपमेंट प्लानिंग के चलते।

लगभग 203 स्क्वायर किलोमीटर में फैले नौएडा में जहां एक तरफ बिजनैस के लिए बेहतर सुविधाएं हैं वही दूसरी तरफ रोजगार और रहने के लिए बेहतरीन परिवेश भी।

क्रिकेट स्टेडियम

वेदवन पार्क

वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर

- समाज के हर वर्ग के लिए बिजनैस से लेकर रोजगार और रहन-सहन के लिए नौएडा में वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर पहले से भी है और लगातार इस पर काम भी किया जा रहा है।
- ट्रैफिक को स्मूद बनाए रखने के लिए जहां पर्थला ओवरब्रिज, डीएससी मार्ग पर 4.5 किलोमीटर की एलिवेटेड रोड, कई अंडरपास इत्यादि बनाए गए हैं वहीं पहले से निर्मित सड़क मार्गों और सर्विस लेन्स का सुंदरीकरण और चौड़ीकरण भी लगातार जारी है।
- क्वालिटी एजुकेशन के महत्व को समझते हुए नए और विकसित हो रहे सैक्टर्स में आधुनिक स्कूल्स खोले जा रहे हैं।
- नौएडा में बढ़ती आबादी को देखते हुए आधुनिक सुविधाओं और मैडिकल इंफ्रा से लैस हैल्थकेयर सेंटर्स भी खोले जा रहे हैं।
- इस प्लान में शहर के विस्तार को देखते हुए ग्रीन स्पेसेज का विस्तारीकरण, इको पार्क्स, ग्रीन कॉरिडोर्स, और सोलर इंफ्रा को भी विकसित किया जाएगा।
- मास्टरप्लान में बढ़ती आबादी को ध्यान में रखते हुए स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट, वेस्ट डिस्पोजल सिस्टम, सीवेज सिस्टम, इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड्स का विस्तार इत्यादि भी किया जाएगा।

नौएडा
एक उत्कर्ष छेत्र

नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण

मुख्य प्रशासनिक भवन, सैक्टर-6, नोएडा वेबसाइट www.noidaauthorityonline.in

स्वच्छ, हरित, सकुशल, सुरक्षित नौएडा

नोएडा के 50वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

भविष्य के लिए तैयार नौएडा

शिल्पहाट

एडवेन्ट

आईकियॉ लीकली

महामाया फ्लाईओवर

- उत्तर प्रदेश सरकार ने इंफ्रा डेवलवमेंट को फास्ट ट्रैक मोड में डाल दिया है ताकि आवासीय और कारोबारी विकास के साथ-साथ प्रदूषण नियंत्रण और स्पोर्ट्स से जुड़ी सुविधाओं का काम जल्द पूरा हो सके।
- उत्तर भारत में बढ़ता प्रदूषण गंभीर समस्या है। धूल से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए 70 वाटर स्प्रिंकलर्स काम कर रहे हैं। इनके लिए पानी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स से जुटाया जाता है।
- नौएडा खुले में मलमूत्र विसर्जन पर पूरी तरह रोक के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए पब्लिक टॉयलेट बन भी चुके हैं और बनाए भी जा रहे हैं। अभी तक 120 यूरिनल ब्लॉक्स, 117 पब्लिक टॉयलेट्स और 67 कम्यूनिटी टॉयलेट्स बनाए जा चुके हैं।

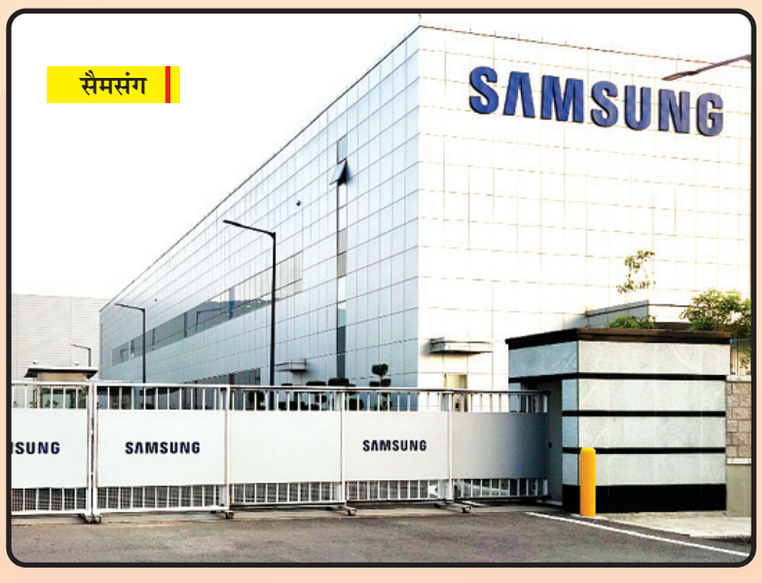

- बच्चों और महिलाओं की सुविधा का ध्यान रखते हुए पिंक टॉयलेट्स की फैसिलटी दी गई है। इनमे सैनिटरी नैपकिन डिस्पोजल, चेंजिंग रूम, ब्रैस्ट फीडिंग प्लेस इत्यादि की सुविधाएं भी शामिल हैं।
- स्पोर्ट्स सैक्टर में यहां विश्व स्तरीय सुविधाएं हैं। यहां ओलिंपिक साइज स्विमिंग पूल, मल्टीपर्पज इंडोर स्टेडियम, गोल्फ कोर्स, ड्राइविंग रेंज के साथ-साथ सैक्टर 21 में बना क्रिकेट स्टेडियम भी है। लगभग 84.14 करोड़ की लागत से बने इस स्टेडियम में 25000 लोगों के बैठने की सुविधा है।

नौएडा
एक उत्कर्ष छेत्र

नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण
मुख्य प्रशासनिक भवन, सैक्टर-6, नोएडा वेबसाइट www.noidaauthorityonline.in

स्वच्छ, हरित, सकुशल, सुरक्षित नौएडा

सपनों का शहर, सफलता की कहानी

अट्टा मार्किट की खास पहचान है नोएडा में

नोएडा शहर उत्तर प्रदेश का प्रसिद्ध शहर है। नोएडा शहर को उत्तर प्रदेश की राजधानी भी कहा जाता है। इतना ही नहीं नोएडा शहर को एशिया की श्रेष्ठ औद्योगिक नगरी के रूप में भी पहचान मिली हुई है। उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध शहर नोएडा में अनेक मार्केट स्थापित हैं। नोएडा के अनेक बाजारों में सबसे प्रसिद्ध मार्किट का नाम अट्टा मार्केट है। नोएडा क्षेत्र के पुरातन गांव अट्टा गांव के एक हिस्से में बसी हुई अट्टा मार्केट को दुनिया भर के लोग जानते हैं। यह भी कहा जा सकता है कि नोएडा का अट्टा मार्केट दुनिया भर में प्रसिद्ध मार्केट है।

नोएडा को जानने वाला हर कोई जानता है अट्टा मार्केट को। बड़ी संख्या में नोएडा के रहने वाले, नोएडा में शिक्षा ग्रहण करने वाले अथवा नोएडा में किसी भी प्रकार का कारोबार करने वाला नागरिक दुनिया के किसी न किसी देश में मौजूद हैं। जो भी नोएडा शहर में एक बार आ जाता है वह नोएडा शहर तथा नोएडा शहर में स्थित अट्टा मार्केट का नाम हमेशा याद रखता है। नोएडा के अट्टा मार्केट में वह हर सामान मिलता है जिसकी हर किसी नागरिक अथवा परिवारों को जरूरत होती है। इस आलेख के माध्यम से हम आपको नोएडा शहर के अट्टा मार्केट से परिचित करा रहे हैं। यदि आपने नोएडा शहर का अट्टा मार्केट नहीं देखा है तो आपको एक बार जरूर नोएडा शहर के अट्टा मार्केट को देखना चाहिए।

बहुत कुछ खास है नोएडा के अट्टा मार्केट में

नोएडा शहर में एक ऐसा मार्केट है जो भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर में मशहूर है। शायद ही ऐसा कोई व्यक्ति होगा जो यूपी के नोएडा शहर को न जानता हो और नोएडा के इस प्रसिद्ध मार्केट अट्टा बाजार को न जानता हो। जी हां वही अट्टा बाजार जिस बाजार में हर किसी की जरूरत का हर सामान मिलता है। उत्तर प्रदेश की औद्योगिक राजधानी के रूप में प्रसिद्ध नोएडा शहर के ठीक बीचोंबीच सेक्टर-27 बसा हुआ है। यह सेक्टर नोएडा के सबसे पुराने अट्टा गांव के पास स्थित है। इसी गांव अट्टा की जमीन पर बसा हुआ है अट्टा मार्केट।

दरअसल वर्ष-1976 में जब नोएडा शहर की स्थापना हुई तो इस पूरे क्षेत्र में बाजार तो छोड़ो, छोटी-मोटी दुकान तक नहीं थी। शहर बसना शुरू हुआ तो अट्टा गांव में राशन की एक-दो दुकान खुल गई। धीरे-धीरे दुकानें बढ़ने लगी। वर्ष-1980 आते-आते अट्टा गांव के एक किनारे पर पूरा बाजार खड़ा हो गया। इसी बाजार का नाम है अट्टा मार्केट। आज अट्टा मार्केट में हर किसी की जरूरत का सारा सामान मौजूद है। अट्टा मार्केट एक ऐसा बाजार है जहां रोजमर्रा की जरूरत का हर सामान एक ही जगह मिल जाता है। यहां सुई-धागे से लेकर वॉशिंग मशीन और ट तक सब कुछ उपलब्ध है। यहां किताबों की दुकान से लेकर चश्में तथा खान-पान से लेकर कपड़ों की सभी वैरायटीज की दुकानें मौजूद हैं। यहां की दुकानों के अनेक अजीबों-गरीब नाम भी ग्राहकों को खूब पसंद आते हैं। यहां दादी की रसोई है तो भाई-भाई की दुकान भी है। आप यदि नोएडा शहर में घूमने की योजना बना रहे हैं तो एक बार अट्टा मार्केट देखना तो बनता ही है। सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन की एक साइड में बसा हुआ अट्टा मार्केट देखकर आप भी यही कहेंगे कि वाह ! क्या अनोखा है यह अट्टा मार्केट।

अट्टा मार्केट के एक किनारे पर नोएडा का प्रसिद्ध स्थल अट्टा पीर भी मौजूद है। अट्टा मार्केट आने के लिए नोएडा के किसी भी सेक्टर से मेट्रो ट्रेन, थ्री-व्हीलर, ई-रिक्शा, बस अथवा अपने निजी वाहन के द्वारा आसानी से आया जा सकता है। ज्वैलरी शॉप से लेकर खाने-पीने तक की दुकानें आपको अट्टा मार्केट में बड़ी संख्या में मिल जाएंगी। अट्टा गांव में स्थापित अट्टा मार्केट के अलावा इंदिरा मार्केट भी यहां स्थापित है। अट्टा की इंदिरा मार्केट की चर्चा अगले आलेख में की जाएगी।

मात्र 49 साल में बड़ा हब बन गया है नोएडा शहर

नोएडा आज बिजनेस और एजुकेशन हब होने के साथ ही एनसीआर का बड़ा रिहायशी शहर है। यह प्रदेश का विकास का इंजन बन गया है। गौतमबुद्ध का संबंध महाभारत काल से भी है। आइए जानते हैं कि नोएडा को बसाने की जरुरत क्यों पड़ी, जबकि इसके पास देश की राजधानी दिल्ली थी। गैर परंपरागत औद्योगिक इकाइयों के लिए डेवलपमेंट एरिया मौजूद है, पश्चिम में यमुना नदी, जिसके आगे दिल्ली व हरियाणा राज्य हैं और दक्षिण में यमुना व हिंडन नदियों का मिलन बिंदु है।

कब बना नोएडा?

17 अप्रैल 1976 को दिल्ली में ओखला के सामने यमुना नदी के दूसरे तट पर शहर की नींव रखी गई थी। लोगों को आसानी हो इसके लिए इसका नाम नोएडा रखा गया। देश के 20,316 हेक्टेयर में नोएडा फैला हुआ है। कई क्षेत्रों में पूरी तरह से विकसित और अपने अद्वितीय बुनियादी ढांचे के साथ कई नोएडा एक अलग स्थान रखता है। यह शहर अतुलनीय सुविधाएं प्रदान करने के साथ प्रदूषण रहित उच्च जीवन स्तर और अत्यधिक सहायक औद्योगिक वातावरण देता है। 17 अप्रैल 1976 के बाद से नोएडा ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में न सिर्फ देश में, बल्कि विदेश में भी अलग पहचान बनाई है। बल्कि करीब 12 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार देने वाले में 14 नए गांवों का अधिग्रहण किया गया।

संजय गांधी ने दिया था एनडी तिवारी को आइडिया

प्लेन से झांकते संजय ने तत्कालीन सीएम नारायण दत्त तिवारी को औद्योगिक विकास के लिए एक शहर बसाने का आइडिया दिया था। दरअसल, 1976 के उस दौर में देश में इमर्जेंसी लगी हुई थी।आपातकाल के उस दौर में संजय गांधी यूपी के तत्कालीन सीएम नारायण दत्त तिवारी के साथ लखनऊ से दिल्ली जा रहे थे। विमान दिल्ली की सीमा में दाखिल होता, उससे पहले संजय को दिल्ली के बाहर यमुना के किनारे खेतों का इलाका दिखाई दिया। खिड़की से झांकते संजय ने तत्कालीन सीएम नारायण दत्त तिवारी को औद्योगिक विकास के लिए एक शहर बसाने का सुझाव दिया था। ऐसा कहते हैं कि इसी प्रस्ताव पर तत्कालीन तिवारी सरकार ने सहमति दी और फिर अप्रैल 1976 में नोएडा की स्थापना के लिए एक अथॉरिटी बनाई।

जनसंख्या 287,875 थी। नोएडा शहर नगर निगम द्वारा शासित है और उत्तर प्रदेश राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में स्थित है। 2025 में नोएडा शहर की वर्तमान अनुमानित जनसंख्या 930,000 है, जबकि नोएडा मेट्रो की जनसंख्या 0 अनुमानित है। पिछली जनगणना 2011 में की गई थी और 2021 में नोएडा शहर के लिए निर्धारित जनगणना को कोविड के कारण स्थगित कर दिया गया था। नोएडा शहर के वर्तमान अनुमान पिछली वृद्धि दर पर आधारित हैं।

2009 में नोएडा को मेट्रो

नोएडा में सबसे पहले साल 2006 में सेक्टर-35 में रोडवेज डिपो की स्थापना की गई। करीब 30 साल बाद नोएडा को अपना बस डिपो मिला। इसके बाद नोएडा से ग्रेटर नोएडा, दिल्ली, गाजियाबाद और आसपास के स्थानों के लिए बसें चलनी शुरू हो गई। इस समय 144 बसें अलग-अलग जगहों के लिए चल रही हैं। रोडवेज डिपो के बाद नोएडा को साल 2009 में मेट्रो के रूप में बड़ी सौगात मिली। नवंबर से दिल्ली के अशोक नगर को पार करते हुए सेक्टर-15 से सेक्टर-32 सिटी सेंटर तक मेट्रो चलनी शुरू हुई। आज दिल्ली-एनसीआर के हर हिस्से को मेट्रो जोड़ते हुए चल रही है। आगे इसका लगातार विस्तार हो रहा है।

घूमने-फिरने तथा मौत-मस्ती करने के अनेक स्थान हैं नोएडा शहर में

नोएडा शहर में रहने वालों के लिए बड़ी खुशखबरी है। यदि आप नोएडा शहर में रहते हैं और मौज-मस्ती करने के लिए कहीं बाहर घूमने नहीं जा पा रहे हैं तो यह खुशखबरी आपके लिए ही है। नोएडा शहर में एक-दो नहीं बल्कि दर्जनों ऐसे खास स्थल हैं जहां आप खूब मौज-मस्ती कर सकते हैं। इतना ही नहीं नोएडा के इन शानदार स्थानों पर आप अपने मित्रों तथा रिश्तेदारों को भी घूमने के लिए लेकर जा सकते हैं। नोएडा में मौज-मस्ती करने के लिए ये स्थान इतने बड़े-बड़े हैं कि वहां भीड़ नहीं हो सकती।

बसा नोएडा आज पूरे देश के लिए रोल मॉडल बन चुका है। यहां बड़ी कंपनियां के ऑफिस, फैक्ट्रियां भी हैं। यहां की सड़कें, हाईवे भी यात्री को काफी सहूलियत देते हैं। आइए आपको बताते हैं कि नोएडा की नींव कैसे रखी गई।

क्यों बसाया गया नोएडा

दिल्ली में जनसंख्या के बढ़ते दबाव के चलते आजादी के बाद नए शहर बसाने की जरुरत लगी। इसी कड़ी में नोएडा को बसाया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दिल्ली में जब जनसंख्या का दबाव बढ़ने लगा और केंद्र सरकार को इसके इर्द-गिर्द दिल्ली के बाहर से आने वाले लोगों के अनियंत्रित होने का खतरा बढ़ा तब साल 1972 में 50 गांवों को यमुना-हिंडन-दिल्ली बॉर्डर रेगुलेटेड एरिया घोषित किया गया। यह घोषणा यूपी रेगुलेशन ऑफ बिल्डिंग ऑपरेशन एक्ट 1958 के तहत की गई। गांवों को रेगुलेटेड एरिया घोषित करने का फैसला 7 मार्च, 1972 में लिया गया था। जून, 1975 में इमरजेंसी लग गई और उधर दक्षिण दिल्ली के ओखला इंडस्ट्रियल एरिया की तर्ज पर यमुना नदी के पूर्वी किनारे पर नोएडा को यूपी इंडस्ट्रियल एक्ट 1976 के तहत न्यू ओखला इंडस्ट्रियल एरिया के तहत नोएडा घोषित किया गया। इसी शहर को बसाने के लिए जो अथॉरिटी गठित की गई। उसके नाम पर ही शहर का नाम नोएडा पड़ गया। तब से कई बार नाम बदलने की मांग हुई मगर अब यह इतना पॉपुलर हो गया है कि नोएडा से ही लोगों को प्यार हो गया।

कहां बसा है नोएडा?

नोएडा उत्तर में NH-24 बाई-पास से घिरा हुआ है, जिसके आगे गाजियाबाद विकास क्षेत्र मौजूद है। इसके पूर्व में हिंडन रिवर, जिसके आगे ग्रेटर नोएडा इंडस्ट्रियल इस इंडस्ट्रियल हब से मिलने वाला राजस्व भी पूरे देश में सबसे ज्यादा है।

कैसे मिला ये नाम

नए शहर को बसाने की जिम्मेदारी न्यू ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण को दी गई और यही नोएडा नए शहर का नाम बन गया। 1980 के दशक की शुरुआत भी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तेज विकास की गति को देखते हुए और भीड़ के दबाव को कम करने के लिए गुडवांव और नोएडा एक्सटेंशन को भी एनसीआर में शामिल किया गया।

1997 में गौतमबुद्धनगर जिला बना

6 सितंबर 1997 में बुलदंशहर और गाजियाबाद के कुछ क्षेत्रों को मिलाकर गौतमबुद्धनगर जिला बनाया गया। इस जिले के अंतर्गत ही नोएडा, ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट आते हैं।आज विकास की बात हो तो यूपी का नोएडा गाजियाबाद और बुलंदशहर को भी पीछे छोड़ देता है। यह शहर यूपी के विकास का इंजन है।

धीरेंद्र मोहन मिश्रा को मिला था नोएडा का खाका तैयार करने का जिम्मा

बुलंदशहर के जिलाधिकारी धीरेंद्र मोहन मिश्रा को नोएडा का खाका तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई थी। धीरेंद्र मोहन मिश्रा 14 अप्रैल, 1975 से लेकर 26 अप्रैल, 1976 तक बुलंदशहर के डीएम रहे। इसी बीच 17 अप्रैल, 1976 को नोएडा की विधिवत घोषणा हुई। 10 मई, 1976 को डीएम मिश्रा ने नोएडा के पहले सीईओ का स्वतंत्र रूप से प्रभार संभाला। बता दें कि उस समय सचिव उद्योग के पास ही चेयरमैन नोएडा का चार्ज भी रहता था। 17 अप्रैल, 1976 को सबसे पहले 36 गांवों की जमीन अधिग्रहण करने का नोटिस जारी किया गया। इसके बाद18 मई, 1978

देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट

ग्रेटर नोएडा के जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट भी बन रहा है, जो देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। एयरपोर्ट को आसपास के शहरों से जोड़ा जाएगा। दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट से मेट्रो से भी जोड़ा जाएगा। इसका काम जोरों से चल रहा है। इसमें ढांचागत सुविधा, कामर्शियल आदि इमारतें बन सकेंगी। शहर में हैं नामी कंपनियों की फैक्ट्रियां हैं। सुई से लेकर मोबाइल सिम और एरोप्लेन तक के पार्ट यहां की इंडस्ट्रीज बना रही हैं।

फिल्म सिटी के शिलान्यास को लेकर तैयारियां शुरू

ग्रेटर नोएडा में बनने वाली फिल्म सिटी के शिलान्यास को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण यानी यीडा को शिलान्यास की जिम्मेदारी दी गई है। माना जा रहा है कि इसी महीन शिलान्यास कार्यक्रम हो सकता है। फिल्म निर्माता बोनी कपूर और सीएम योगी की मुलाकात के बार ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं।

महाभारत काल से भी संबंध

माना जाता है कि महाभारत काल में द्रोणाचार्य का आश्रम इसी नोएडा इलाके में था। यहीं पर वह अपने शिष्यों और बेटे के साथ रहते थे। ऐसा भी कहते हैं कि गुरु द्रोणाचार्य ने कुरु राजकुमारों, पांडवों को शिक्षा दी थी। एकलव्य ने भी यहीं जंगल में रहकर धुनर्विधा का अभ्यास किया था।

नोएडा की आबादी कितनी?

जनसांख्यिकी 2011 की जनगणना के अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, नोएडा की जनसंख्या 637,272 थी, जिसमें से पुरुष जनसंख्या 349,397 और महिला

नोएडा में मौजूद हैं एक से बढ़कर एक स्थान

आपको बता दें कि नोएडा उत्तर प्रदेश का सबसे सुंदर शहर है। इतना ही नहीं नोएडा शहर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (ह्ष्ट्र) का भी सबसे शानदार शहर है। अनेक विशेषज्ञों का तो यह भी दावा है कि नोएडा शहर उत्तर भारत का सबसे शानदार शहर है। ऐसे में नोएडा में रहने वाले नागरिकों को नव वर्ष मनाने के लिए किसी दूसरे शहर में जाने की भला क्या जरूरत है। यदि आप नव वर्ष का जश्न बेहतरीन खाने, पीने, गाने तथा डांस करने के साथ मनाना चाहते हैं तो नोएडा में एक से बढ़कर एक मॉल, होटल, रेस्टोरेंट तथा क्लब मौजूद हैं। यदि आप खुली हवा में किसी सुंदर तथा शानदार पार्क अथवा पिकनिक स्पॉट पर जाकर नव वर्ष मनाना चाहते हैं तो भी नोएडा में एक से बढ़कर एक स्थान आपके स्वागत के लिए तैयार है।

नोएडा के सेक्टर-78 में वेदवन पार्क

यदि आप किसी शानदार पिकनिक स्पॉट पर नव वर्ष मनाना चाहते हैं तो नोएडा के सेक्टर-78 में मौजूद वेदवन पार्क आपके लिए बेहतरीन जगह है। नोएडा के सेक्टर 78 में स्थित वेदवन पार्क अपने शांत और हरियाली भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। यहां आप प्राकृतिक सुंदरता के बीच सुकून भरे पल बिता सकते हैं। यह पार्क धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को भी समेटे हुए है जहां आप प्रकृति के साथ-साथ संस्कृति से भी जुड़ाव महसूस करेंगे। इस पार्क में शाम के समय आपको लेजर लाइट शो एक अलग अनुभव कराएगा। आपको लगेगा कि आप नोएडा में नहीं किसी दूसरी ही दुनिया में आ गए हो।

खरगोश पार्क भी मौजूद है नोएडा में

इसी कड़ी में नोएडा के सेक्टर-56 में मौजूद खरगोश पार्क भी जा सकते हैं। खरगोश पार्क बच्चों के साथ घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है। यहां बच्चों के लिए विशेष खेल क्षेत्र और खरगोशों का शानदार अनुभव उन्हें रोमांचित कर देगा। इसके साथ ही यहां आपको झील, झील के ऊपर बना करीब दो किमी का फुट ओवर ब्रिज बेहतरीन अनुभव देगा। ऊंचे नीचे टीले के साथ-साथ यहां कई ऐसी आकृतियां बनाई गई हैं जो परिवार के साथ समय बिताने के लिए खास एहसास होगा। इसी प्रकार नोएडा में मौजूद प्रकृति प्रेमियों के लिए ओखला बर्ड सेंचुरी एक स्वर्ग के समान है। यमुना नदी के किनारे बसे इस सेंचुरी में आपको विदेशी पक्षियों की कई दुर्लभ प्रजातियां देखने को मिलेंगी। यहां सुबह-सुबह का समय बिताना एक अद्भुत अनुभव होता है। इस जगह पर लोग टूर के लिए बड़ी बड़ी दूर-दूर से चलकर आते हैं। ये जगह फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए बेहतर विकल्प है। इसी कड़ी में नोएडा में सेक्टर-137 में मौजूद बायोडायवर्सिटी पार्क जैव विविधता के संरक्षण के लिए जाना जाता है। यहां की हरियाली, शांत वातावरण और प्रकृति के पेड़ पौधों की अनोखी प्रजातियां आपको मंत्रमुग्ध कर देंगी। यह जगह फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए भी एक परफेक्ट लोकेशन है।

दलित प्रेरणा स्थल हो सकता है सबसे बेहतर विकल्प

अगर आप इतिहास और प्रेरणा के क्षणों को जीना चाहते हैं, तो नोएडा में स्थित दलित प्रेरणा स्थल एक बेहतरीन विकल्प है। यह स्थल दलित महापुरुषों के जीवन और संघर्ष की कहानी को दर्शाता है। यहां का वास्तुशिल्प बेहद प्रभावशाली है. यहां की कलाकृतियां लोगों को एक अलग प्रकार एहसास कराती हैं। यह प्रेरणा स्थल यमुना के किनारे और ओखला वर्ड सेंचुरी के पास स्थित है जिसका नजारा देखते ही बनता है। यहां न्यू ईयर पर बच्चों को घुमाने जा सकते हैं और उन्हें इतिहास और महापुरुषों से जुड़ी रोचक जानकारी दे सकते हैं। नोएडा सेक्टर-15ए के सामने अमिताभ पार्क अपने नाम की तरह ही खास है। यहां के मनमोहक गार्डन, चलने के लिए पाथवे और बच्चों के लिए खेल क्षेत्र इसे एक पारिवारिक पिकनिक स्थल बनाते हैं। यहां जगह-जगह लड ी और मिट्टी की बनी कलाकृतियां लोगों को खूब भाती हैं जहां युवा जमकर फोटोग्राफी करते हैं। आप भी अपने दोस्तों के साथ इस पार्क में बेहतर समय बिता सकते हैं।

नोएडा के सेक्टर 33ए स्थित शिवालिक पार्क घूमने के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां हेलीपैड और उसके बराबर में बना हरा भर पार्क और टहलने के लिए फुटपाथ के साथ तरह-तरह के पेड़ पौधे एक अलग अनुभव कराते हैं। इसके बराबर में ही नोएडा हाट है जहां जाकर आप शॉपिंग भी कर सकते हैं। ये जगह फोटोग्राफी के लिए भी बेहतरीन जगहों में से एक है। अब आप समझ गए होंगे कि यदि आप नोएडा शहर में रहते हैं तो आपको नव वर्ष का जश्न मनाने के लिए नोएडा शहर से दूर जाने की कोई जरूरत नहीं है। नोएडा शहर में ही आप पूरे मजे के साथ नव वर्ष का जश्न मना सकते हैं।

मोबाइल टॉवर से आरआरयू चुराते पकड़ा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के ओमिक्रोनी-1 सेक्टर स्थित एचआईजी सोसाइटी के पास लगे मोबाइल टावर से आरआरयू चोरी कर रहे हैं दो चोरों को कर्मचारियों ने मौके पर ही दबोच लिया। इनके पास से टावर से चोरी किया गया आरआरयू बरामद हुआ।

जोगेंद्र सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी कंपनी का एक मोबाइल टावर ओमिक्रोन-1 सेक्टर में एचआईजी सोसायटी के पास लगा हुआ है। 17 अप्रैल की दोपहर को उसके फोन पर टावर में छेड़छाड़ होने का अलार्म आया। इसके बाद वह अपने दो अन्य साथियों के साथ उक्त टावर पर पहुंचा। टावर पर दो युवक आरआरयू चोरी कर रहे थे। इन लोगों ने एक आरआरयू टावर से खोल लिया था। जोगिंदर ने बताया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर दोनों को दबोच लिया और पुलिस को सूचना दी। पूछताछ में दोनों आरोपियो ने अपना नाम प्रियांशु और लव बताया। दोनों आरोपियों ने बताया कि वह मोबाइल टावरों से आरआरयू चोरी करने की घटनाओं को अंजाम देते हैं। दोनों आरोपियों को थाना दादरी पुलिस के हवाले कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

सास-दामाद की लव स्टोरी

ताना मारता था पति 'जा दामाद के साथ भाग जा, तो मैं सच में भाग गई'

अलीगढ़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में इन दिनों फरार हुए सास और दामाद के चर्चे हैं। दोनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया हे। पुलिस के सामने सास ने अपने दामाद के साथ रहने की इच्छा जताई है। उसने अपने बयान में कहा कि हर दिन ताना मिलता था, गाली सुननी पड़ती थी कहते थे तू दामाद के साथ ही भाग जा, तो मैं सच में भाग गई। ये कहना है अनीता देवी का, जो बीते दिनों अपने होने वाले दामाद राहुल के साथ घर से चली गई थी। अब जब वह अलीगढ़ के दादों थाने में लौट आईं, तो वहां पुलिस के सामने रो-रोकर अपनी पूरी कहानी सुनाई।

अनीता देवी ने कहा कि वह अब और अपने पति जितेंद्र के साथ नहीं रह सकतीं, क्योंकि वह उन्हें सालों से मारते-पीटते आ रहे थे। उन्होंने कहा कि जो अब तक सबके लिए 'गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड' जैसी खबर लग रही थी, उसके पीछे बहुत बड़ा दर्द और तकलीफ है।

पुलिस के सामने अनीता देवी ने साफ कहा कि उन पर जो आरोप लग रहे हैं कि वह पैसे लेकर भागी हैं वो सब झूठे हैं। उन्होंने कहा मैं सिर्फ 200 रुपये और अपना मोबाइल लेकर घर से निकली थी। एक कपड़ा भी ठीक से नहीं था। राहुल तो बस सहारा बना। मैं केवल मंगलसूत्र पहनकर गई थी।

अनीता देवी का कहना है कि उनके पति जितेंद्र उन्हें महीने भर में सिर्फ 1500 रुपये देते थे, और उसका भी रोज हिसाब लेते थे। कभी थोड़ा ज्यादा खर्च हो गया तो ताना, गाली और मारपीट तय थी। इतने साल शादी में काट दिए, मगर कभी प्यार नहीं मिला। सिर्फ अपमान, मार और ताने। हर किसी की सहने की हद होती है, मेरी खत्म हो गई थी।

अनीता देवी की बेटी की शादी राहुल से तय हुई थी। शादी की तैयारियां चल रही थीं। ऐसे में राहुल से फोन पर बातचीत हो जाती थी। बस यहीं से बेटी शक करने लगी, और घर में झगड़े बढ़ गए। पति जितेंद्र ने भी ताने मारने शुरू कर दिए। जा, दामाद के साथ ही भाग जा। अनीता कहती हैं, जब बार-बार यही सुनने को मिला, तो मैंने वही कर दिया जो वो कह रहे थे।

अनीता ने बताया कि मेरा पति कोई काम नहीं करता है। सुबह-शाम शराब पीता है। मेरे से पैसे लिए पर मकान बनाकर नहीं दिया। वहीं राहुल का कहना है कि वह अनीता को बहुत अच्छे से जानता था। कई बार उसने देखा कि अनीता रोती रहती हैं, किसी से ढंग से बात नहीं करतीं। जब उसने वजह पूछी तो अनीता ने अपने दर्द की बात बताई।

सीओ इगलास महेश कुमार ने बताया था कि पुलिस जांच में पता चला कि दामाद को एक मोबाइल फोन दिया था, जिसके जरिए पिछले तीन महीनों से दोनों के बीच घंटों बातचीत होती थी। इसी के बाद किसी बहाने से वह घर से निकल गई। उन्होंने बताया कि युवक राहुल के पिता और बहनोई से पूछताछ के बाद कुछ दोस्तों के नाम सामने आए, जिन्होंने सपना और राहुल को कासगंज रेलवे स्टेशन तक छोड़ा था। यह बात वहां के सीसीटीवी फुटेज से भी पुष्ट हुई थी।

त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालयः सहकारी आंदोलन को मिलेगा नया आयाम

नई दिल्ली (चेतना मंच)। भारत में सहकारी आंदोलन को गति देने और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने के उद्देश्य से प्रस्तावित त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय के गठन को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। हाल ही में संसद के दोनों सदनों-लोकसभा और राज्यसभा ने त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक को पारित कर दिया है। इसके साथ ही यह विश्वविद्यालय अब हकीकत बन गया है और जल्द ही अपनी शैक्षणिक गतिविधियाँ शुरू करेगा।

भारत में सहकारी आंदोलन की शुरुआत 1904 में हुई थी और आज यह कृषि, बैंकिंग, डेयरी, आवास और उपभोक्ता वस्तुओं जैसे अनेक क्षेत्रों में सक्रिय है। अमूल, इफको, कृभको जैसी संस्थाएँ इसकी सफलता की मिसाल हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में सहकारी क्षेत्र को पेशेवर प्रशिक्षण, तकनीकी उन्नयन और नेतृत्व की कमी जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। ऐसे में यह विश्वविद्यालय सहकारी आंदोलन को नया जीवन देने में मदद करेगा।

त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय का उद्देश्य युवाओं को सहकारी क्षेत्र के लिए रोजगारपरक और व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करना है। इसमें सहकारी प्रबंधन, सहकारी बैंकिंग और वित्त, डिजिटल सहकारिता, सामुदायिक विकास, और कृषि सहकारिता जैसे विषयों में डिग्री और डिप्लोमा कोर्स उपलब्ध होंगे। इससे युवाओं को न केवल अच्छी शिक्षा मिलेगी बल्कि उन्हें सहकारी संस्थाओं में रोजगार के बेहतर अवसर भी मिलेंगे।

यह विश्वविद्यालय सहकारी संस्थानों को डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), ब्लॉकचेन और डेटा एनालिटिक्स से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगा। इसके अलावा, विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय सहकारी संगठनों के साथ साझेदारी कर भारतीय सहकारी क्षेत्र को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा।

भारत सरकार के 'विकसित भारत 2047' लक्ष्य की दिशा में सहकारी क्षेत्र की भूमिका को और मजबूत करने की दिशा में यह एक अहम कदम माना जा रहा है। विश्वविद्यालय आत्मनिर्भर भारत, वित्तीय समावेशन, कृषि क्षेत्र में नवाचार, और स्थानीय से वैश्विक बाजार तक पहुँच के लक्ष्यों को साधने में सहयोग करेगा।

दिलीप संघाणी, अध्यक्ष NCUI, IFFCO और GUJCOMASOL तथा पूर्व मंत्री, गुजरात, ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा, त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय सहकारी क्षेत्र में क्रांति लाने वाला ऐतिहासिक संस्थान होगा, जो न केवल युवाओं को रोजगार देगा बल्कि देश के सहकारी तंत्र को भी आधुनिक बनाएगा।

साउथ के बारे में चाहत खन्ना का चौंकाने वाला खुलासा

एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने हाल ही में साउथ इंडस्ट्री के बारे में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री का काला चिट्ठा खोलते हुए कहा है कि वहां कॉन्ट्रैक्ट में साफ-साफ लिखा होता है कि एक्टर, डायरेक्टर, प्रोड्यूसर के साथ कॉम्प्रोमाइज करना होगा। चाहत खन्ना ने इस बात का खुलासा हाउटरफ्लाई के साथ बातचीत के दौरान किया। एक्ट्रेस ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच पर खुलासा करते हुए बताया कि वहां काम करने से पहले ही कॉम्प्रोमाइज के बारे में पूछ लिया जाता है। उन्होंने कहा कि यह सारी चीजें वहां सरेआम होती हैं। कान्ट्रैक्ट साइन करने से पहले ऐसी बातें आपस में हो ही जाती है। कान्ट्रैक्ट में साफ लिखा होता है आपको कॉम्प्रोमाइज करना होगा।

चाहत खन्ना ने बॉलीवुड में कास्टिंग काउच के बारे बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि बॉलीवुड में भी ऐसा होता है, लेकिन यहां के तरीके कुछ अलग है। यहां अलग तरीके से एक्ट्रेस से पूछा जाता है। जब भी कोई नया एक्टर आता है तो उन्हें इन सभी चीजों का सामना करना पड़ता है। हालांकि चाहत खन्ना कहती है कि उनके साथ कभी ऐसा कुछ नहीं हुआ। चाहत खन्ना अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें बचपन में मोलेस्ट किया जा चुका है। एक्ट्रेस ने कहा था- जब मैं बहुत छोटी थी, तब एक अंकल अपनी गोद में बिठाकर चॉकलेट देते हैं। तब इतनी समझ नहीं थी, दो साल साल के बाद मुझे रियलाइज हुआ मेरे साथ क्या हुआ था। चाहत खन्ना अब कम ही छोटे पर्दे पर नजर आती हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि कोई उनके साथ काम नहीं करना चाहता है। उन्होंने इंडस्ट्री में तलाक को लेकर बन चुकी सोच को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग उनके साथ काम नहीं करना चाहते हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस का दो बार तलाक हो चुका है। उनकी पहली शादी ज्यादा लंबी नहीं चली थी। महज 4 महीने के अंदर ही उन्होंने तलाक ले लिया था। फिर उन्होंने अपनी जिंदगी की नई शुरुआत की और दोबारा शादी की, लेकिन वह शादी भी लंबे समय तक नहीं चली और तलाक हो गया। चाहत कहती हैं कि तलाक और सेपरेशन कभी भी आसान नहीं होते, खासकर तब जब बच्चे हों। उन्होंने आगे कहा- मेरा दूसरा तलाक बहुत मुश्किल था। मेरी एक बेटी फरहान के साथ रहती है और एक मेरे साथ रहती है।

क्या बिपाशा बसु फिल्म 'रेस 4 का हिस्सा बनेंगी?

बिपाशा बसु फिल्म 'रेस (2008)' में सैफ अली खान के अपोजिट नजर आई। हाल ही में 'रेस 4' को लेकर काफी चर्चा रही। इसी बीच बिपाशा ने भी एक सोशल मीडिया पोस्ट की। इस पोस्ट के जरिए आखिर बिपाशा क्या बताना चाहती हैं? क्या वह भी फिल्म 'रेस 4' का हिस्सा हैं? बिपाशा बसु ने हाल ही में इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में फिल्म 'रेस' का गाना 'रेस सांसों कीज' को साझा किया। इस गाने में वह डांस कर रही हैं, साथ ही कैटरीना कैफ भी इसमें नजर आ रही हैं। इस गाने को बिपाशा एक बार फिर से क्यों याद कर रही हैं? इसको लेकर बिपाशा ने कोई भी कैप्शन या मैसेज नहीं लिखा है। ऐसा लगता है कि वह फिल्म 'रेस 4' के मेकर्स को हिंट देना चाहती हैं। क्या एक्ट्रेस दोबारा से इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहती हैं?

सोनिया का किरदार निभाया था

फिल्म 'रेस (2008)' में बिपाशा बसु ने सोनिया का किरदार निभाया था। फिल्म में सैफ अली खान, अक्षय खन्ना, कैटरीना कैफ, अनिल कपूर नजर आए थे। हाल ही में खबर थी 'रेस 4' में एक नई एंट्री होने वाली है। मेकर्स ने भी कंफर्म किया कि फिल्म में सैफ अली खान के अलावा सिद्धार्थ मल्होत्रा भी नजर आएंगे। बाकी किसी दूसरे एक्टर के नाम पर फिल्म मेकर्स ने मुहर नहीं लगाई है।

बिपाशा लंबे वक्त से ब्रेक पर हैं

बिपाशा बसु की बात की जाए तो वह करण ग्रोवर के साथ शादी करने के बाद से ही फिल्मों में कम नजर आने लगी हैं। बेटी देवी के जन्म के बाद तो वह फिल्मों में दिखीं ही नहीं। हो सकता है कि फिल्म 'रेस' का गाना शेयर कर, बिपाशा फिर से फिल्मों में वापसी की चाहत रख रही हों।

ग्लैमरस किरदारों के लिए जानी गईं बिपाशा

बिपाशा बसु ने अपने करियर में 'अजनबी', 'राज', 'जिस्म' अलोन, नो एंट्री, फुटपाथ, अपहरण, बचना ए हसीनों जैसे कई अलग-अलग जॉनर की फिल्मा में अभिनय किया है। अधिकतर फिल्मों में उनका ग्लैमरस अंदाज ही नजर आया, जिसे दर्शकों ने पसंद भी किया।

धनुष की इन आगामी फिल्मों में दिखेगा जबरदस्त एक्शन और रोमांस

इटली कड़ाई और कुबेर में धनुष अलग-अलग किरदारों में नजर आएंगे, वहीं डी55 और डी56 उनके फैंस के लिए बड़े सरप्राइज हो सकता है। इसके अलावा, तेरे इश्क में एक रोमांटिक फिल्म होगी, जिसमें धनुष का नया अंदाज देखने को मिलेगा। फैंस इन फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

इटली कड़ाई

इटली कड़ाई एक इमोशनल ड्रामा फिल्म है, जिसे धनुष खुद डायरेक्ट कर रहे हैं और इसमें नित्या मेनन भी नजर आएंगी। यह फिल्म 1 अक्टूबर 2025 को रिलीज होगी। फिल्म में धनुष और अरुण विजय मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इडली कढ़ाई का संगीत प्रसिद्ध जीवी प्रकाश कुमार ने तैयार किया है।

कुबेर

कुबेर एक अलग अंदाज की फिल्म है, जो जून 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन शेखर कम्मुला ने किया है। फिल्म में धनुष के अलावा रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का निर्माण पुष्कर राम मोहन राव, नारायण दास कर रहे हैं।

तेरे इश्क में

तेरे इश्क में एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है, जिसकी झलक फैंस को पहले ही पसंद आ चुकी है। इस फिल्म में धनुष के साथ पहली बार कृति सेनन की जोड़ी नजर आने वाली है। फिल्म की झलक देखने के बाद फैंस इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

डी55

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ष55 एक ड्रामा तमिल फिल्म है, जिसका निर्देशन राजकुमार पेरियासामी कर रहे हैं। फिल्म की स्टार कास्ट में धनुष मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। डी55 फिल्म 31 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

रिद्धिमा कपूर के साथ पर्दे पर नजर आएंगे कपिल शर्मा

कपिल शर्मा इन दिनों अपने ट्रांसफॉर्मेशन की वजह से लगातार चर्चा में बने हुए हैं। अब उनके वजट घटाने के पीछे की कहानी भी पता चल गई है। रिपोर्ट के मुताबिक कपिल ने अपनी आगामी फिल्म के लिए अपना वजन घटाया है। खास बात यह है कि इस फिल्म रिद्धिमा कपूर साहनी भी नजर आने वाली हैं। फिल्म का निर्देशन आशीष आर मोहन करेंगे। फिलहाल फिल्म का नाम अभी तय नहीं हो सका है। आने वाले समय में इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की उम्मीद की जा रही है।

फिर हेरा फेरी से लेकर हाउसफुल 2 तक, इन फिल्म दूसरे भाग में छाए अक्षय कुमार

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार की फिल्में हर बार उनके फैंस के दिलों पर छा जाती हैं। वह ऐसी कई सीक्वल फिल्मों में नजर आ चुके हैं, जिन्होंने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म केसरी का दूसरा चैप्टर जल्द ही दर्शकों के लिए रिलीज होने जा रहा है।

हाउसफुल 2

जब बात कॉमेडी की आती है तो हाउसफुल 2 का जिक्र जरूरी है। इस फिल्म में अक्षय कुमार ने जबरदस्त अभिनय किया था, जो गलतफहमियों और मजेदार सिचुएशन्स में फंसता चला जाता है। अक्षय के साथ रितेश देशमुख, जॉन अब्राहम भी फिल्म में नजर आए थे।

फिर हेरा फेरी

फिर हेरा फेरी तो हर कॉमेडी प्रेमी की फेवरेट लिस्ट में शुमार है। इस फिल्म में अक्षय कुमार ने राजू का किरदार निभाया था जो अपने दोस्तों श्याम (सुनील शेट्टी) और बाबूराव (परेश रावल) के साथ पैसा कमाने के चक्कर में उलझ जाता है। इन तीनों की तिकड़ी ने ऐसा धमाल मचाया कि फिल्म के डायलॉग्स आज भी लोगों की जुबान पर हैं।

ओएमजी 2

ओएमजी 2 में अक्षय कुमार ने एक अलग ही अंदाज में दर्शकों का दिल जीता था। इस फिल्म में उन्होंने भगवान शिव के दूत का किरदार निभाया था, जो एक आम आदमी की जिंदगी में बदलाव लाता है। फिल्म ने शिक्षा और धर्म जैसे गंभीर मुद्दों पर बात की गई है, लेकिन इसे इतने सहज और मनोरंजक तरीके से पेश किया गया कि हर कोई इससे जुड़ गया।

जॉली एलएलबी 2

जॉली एलएलबी 2 में अक्षय ने वकील जगदीश्वर मिश्रा उर्फ जॉली का किरदार निभाया था। फिल्म में उसकी जिंदगी में आने वाला एक केस उसे कानूनी व्यवस्था की खामियों से रूबरू कराता है। अक्षय ने इस किरदार को इतने हल्के-फुल्के अंदाज में निभाया कि दर्शक हंसते-हंसते गंभीर मुद्दों को भी समझ गए।

पृष्ठ एक के शेष....

50वें स्थापना दिवस पर....

इस मौके पर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम, एसीईओ संजय खत्री, एसीईओ सतीश पाल, ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह, ओएसडी महेन्द्र प्रसाद, क्रांति शेखर, अशोक शर्मा, देवेन्द्र प्रताप तथा ओएसडी अरविंद कुमार, सीएफओ मनोज कुमार, वित्त नियंत्रक स्वतंत्र कुमार, महाप्रबंधक (जल एवं सीवर) आरपी सिंह, महाप्रबंधक (जनस्वास्थ्य) एसपी सिंह, उप महाप्रबंधक (सिविल) विजय रावल, उद्यान विभाग के निदेशक आनंद कुमार, नोएडा एंप्लाइज एसोसिएशन के अध्यक्ष चौ. राजकुमार, वर्क सर्किल-1 के प्रभारी डोरीलाल वर्मा, जनस्वास्थ्य विभाग के खंड-1 के प्रभारी गौरव बंसल, खंड-2 के प्रभारी आरके शर्मा, वर्क सर्किल-2 के वरिष्ठ प्रबंधक कपिल सिंह, वर्क सर्किल-3 के वरिष्ठ प्रबंधक राजकमल सिंह, पारसनाथ सोनकर, प्रवीन सोलंकी, अनिल कुमार, सतेन्द्र गिरि, रमेश चंद, विश्वास त्यागी, एनईए महासचिव जितेन्द्र कुमार तथा समूची टीम समेत कई अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद रहे।

इसे बाद सीईओ डॉ. लोकेश एम ने सेक्टर-49 स्थित कम्युनिटी किचन में मजदूरों को भोजन वितरित किया। शाम को इंदिरागांधी कला केन्द्र में स्थापना दिवस पर सीईओ व अन्य अफसर मिलकर केक काटेंगे तथा विशेष कार्यक्रम में नोएडा के विकास व प्रगति को लेकर सीईओ तथा शीर्ष अधिकारी अपने विचार रखेंगे। इसके बाद आयोजित की गई क्रिकेट टूर्नामेंट में विजेता टीम को सम्मानित किया जाएगा।

स्थापना दिवस पर 7वें वाटर....

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम, एसीईओ संजय खत्री, एसीईओ सतीश पाल तथा महाप्रबंधक (जल एवं सीवर) आरपी सिंह ने इस वाटर एटीएम का विधिवत शुभारंभ किय। इस मौके पर केनरा बैंक के वित्त नियंत्रक के प्रतिनिधि तथा नोएडा प्राधिकरण के अन्य कर्मचारी तथा क्षेत्रवासी मौजूद थे। यह वाटर एटीएम केनरा बैंक के सीएसआर फंड के तहत खोला गया है ।

नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग के महाप्रबंधक आरपी सिंह ने बताया कि इस वाटर एटीएम की क्षमता 1200 लीटर प्रति घंटा की है। वाटर एटीएम ग्रीष्मकल में प्रात: 8 बजे से रात 8 बजे तक संचालित रहेगा।

बता दें कि नोएडा प्राधिकरण द्वारा अब तक नोएडा शहर में 7 वॉटर एटीएम शुरू किए जा चुके हैं जिससे लोगों को शीतल तथा शुद्ध स्वच्छ जल मिल सके। नोएडा प्राधिकरण की इन प्रयासों की पूरे नोएडा में काफी प्रशंसा की जा रही है।

ग्रेटर नोएडा में पेड़ से....

चार मूर्ति चौराहे पर एक स्कूली बस अनियंत्रित होकर पेट से टकरा गई है। यह स्कूल बस ब्लूम इंटरनेशनल स्कूल की थी। बस में 17 बच्चे सवार थे। इस घटना में अन्या उम्र 13 वर्ष कक्षा 8, कुशंक उम्र 12 वर्ष कक्षा 7, शौर्य उम्र 16 वर्ष कक्षा 11, संस्थिता उम्र 6 वर्ष कक्षा 2 तथा बस चालक भगवान सिंह उम्र 48 वर्ष को चोट आई है। कुछ अन्य बच्चों को मामूली चोट आई है।

घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। कुछ बच्चों को मामूली चोट आई है। पुलिस ने दूसरी बस मंगवाकर बच्चों को स्कूल भिजवा दिया है। क्षतिग्रस्त बस को क्रेन की सहायता से वर्कशॉप में भेजा जा रहा है। घटना की सूचना पाकर मौके पर भारी संख्या में लोग इकट्ठे हो गए थे। पुलिस ने उन्हें समझा-बुझाकर वहां से वापस भेजा।

गोकश को पुलिस ने.....

थाना प्रभारी अरविंद कुमार व उनकी टीम दादरी बाईपास पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान बिना नंबर प्लेट की बाइक पर आ रहे दो लोगों को पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर बाइक सवार रुकने के बजाय तेजी से बाइक को चलाते हुए भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर उन्हें नई बस्ती उर्फ बैरिंगपुर जाने वाले रास्ते पर घेर लिया। खुद को घिरा देखकर बाइक सवारों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर गया। इस दौरान उसका दूसरा साथी मौके से फरार हो गया।

एडीसीपी ने बताया कि घायल बदमाश की पहचान नाजिम पुत्र यूनुस निवासी ग्राम रतुपूरा थाना सिंभावली जनपद हापुड़ के रूप में हुई। इसके पास से तमंचा कारतूस, रस्सी, नशीला इंजेक्शन, सिरिंज, पशुओं को लगाने वाली सुई, लोहे का दाब व चोरी की बाइक बरामद हुई। एडीसीपी के मुताबिक मुठभेड़ में घायल हुआ नाजिम शातिर गोकश है। वह अपने साथियों के साथ मिलकर गोकशी करने की घटनाओं को अंजाम देता है। नाजिम व उसके साथी सुनसान जगह पर पशुओं को नशीला इंजेक्शन देकर बेहोश कर देते थे और उसके बाद गोकशी की घटना को अंजाम देते थे। उसके आपराधिक इतिहास की पड़ताल की जा रही है और फरार साथी को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

महिला ने फेसबुक पर ....

भ्रामक, उत्तेजक, आपत्तिजनक पोस्ट उसका नाम लेकर किए हैं। राधा शर्मा द्वारा की गई पोस्ट से उसका समाज में खास अपमान हुआ है। संजीव शर्मा के मुताबिक 15 अप्रैल की दोपहर को उसे टप्पल रोड बस स्टैंड पर राधा शर्मा मिली तो उसने उसके विरुद्ध डाली गई भद्दी पोस्ट के बारे में पूछा तो उसने भड़कते हुए उसे गालियां दी और जान से मारने की धमकी दी। शोर शराबा सुनकर आस पड़ोस के लोग इकट्ठा हो गए। इसके बाद राधा शर्मा एक व्यक्ति की बाइक पर बैठकर मौके से भाग गई।

संजीव शर्मा के मुताबिक राधा शर्मा अपराधी किस्म की महिला है और उसके विरुद्ध पूर्व में कई थानों में मुकदमे पंजीकृत है। वह गंभीर धाराओं में भी जेल जा चुकी है।

तीन युवकों ने ....

वाद विवाद करने लगे। उसकी पत्नी ने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की। मारपीट में रवीना की आंख में चोट आई और वह घायल हो गई। मारपीट करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि मंगरु की शिकायत पर तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

एसीईओ ने किया प्राधिकरण के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सतीश

पाल ने सैक्टर-96 में निर्माणाधीन मुख्य प्रशासनिक भवन के अन्तर्गत भू-तल से सातवें-तल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वर्क सकिल-प्रथम एवं विद्युत यांत्रिकी विभाग-तृतीय के वरिष्ठ प्रबन्धक एवं संविदाकार के प्रतिनिधि आदि अभियन्ता उपस्थित रहे।

उन्होंने सातवें तल पर अध्यक्ष एवं बोर्ड कक्ष में इन्टीरियर का कार्य शीघ्र पूर्ण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

छटे-तल पर स्थित मुख्य कार्यपालक अधिकारी व अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी के कक्षों में इन्टीरियर का कार्य पूर्ण कराते हुए वुडन फ्लोरिंग का कार्य शीघ्र कराये जाने के लिए निर्देशित किया गया। जगह-जगह पर कराये जा रहे रिपेयर, प्लास्टर इत्यादि के कार्य को फिनिशिंग से गुणवत्तापूर्वक कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। स्टेयर केस व फ्लोर में कई स्थानों पर पूर्व में टूटे हुये पत्थर की जगह लगाये पत्थर को नये सिरे से एक जैसा लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। एट्रियम एरिया में कोरियन स्टोन एवं जन सुनवाई में प्रगतिरत कार्य को शीघ्र पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये गये। परियोजना के अन्तर्गत फिनिशिंग सम्बन्धी कार्यों को गुणवत्तापूर्वक पूर्ण कराये जाने के लिए निर्देशित किया गया।

हिंडन डूब क्षेत्र में 150 करोड़ की जमीन से हटाया गया अवैध कब्जा

नोएडा (चेतना मंच)। यमुना एवं हिंडन नदियों के डूब क्षेत्र में अवैध कॉलोनीयों फार्म हाउस को ध्वस्त करने की बड़ी कार्रवाई नोएडा प्राधिकरण द्वारा की की जा रही है। भूमाफियाओं के विरुद्ध छेड़े गए इस अभियान के तहत हिंडन डूब क्षेत्र के ग्राम हैबतपुर में लगभग 150 करोड रुपए की भूमि पर से अवैध निर्माण को नोएडा प्राधिकरण के बुलडोजर ने ध्वस्त कर दिया।

जानकारी के मुताबिक हिंडन नदी के डूब क्षेत्र के गांव हैबतपुर में अवैध एवं अनाधिकृत रूप से लगभग 120 बीघा भूमि पर अवैध निर्माण किया गया था। इस पर नोएडा प्राधिकरण की सिंचाई विभाग, राजस्व विभाग और तहसील दादरी की संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई की गई। 120 बीघा जमीन पर किए गए बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया। इस पूरी कार्यवाही के दौरान 250 से अधिक कर्मचारी, तीन जेसीबी मशीन तथा पांच डंपर शामिल हुए। इस जमीन की कीमत लगभग 150 करोड रुपए आंकी गई है।

नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम ने आम जनता से अपील की है कि वह डूब क्षेत्र में काटी जा रही अनाधिकृत व अवैध कालोनी एवं फार्म हाउस के कारोबार में सम्मिलित भूमाफिया के चंगुल में न फंसे। नोएडा की डूब क्षेत्र में कोई भी थे अवैध निर्माण पूर्णत वर्जित है। नदियों के डूब क्षेत्र में कॉलोनी काटने वाले भूमाफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की जा रही है।

'फुले' फिल्म पर रोक न हटी तो 'आप' 21 को प्रदेश भर में करेगी व्यापक आंदोलन : संजय सिंह

वक्फ के बिल को राज्यसभा सांसद ने बताया असंवैधानिक

नोएडा (चेतना मंच)। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश के प्रभारी तथा राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि यदि दलितों पर आधारित फुले फिल्म के रिलीज होने पर लगी रोक नहीं हटाई गई तो 21 अप्रैल को समूचे उप्र के हर जनपद में आम आदमी पार्टी व्यापक धरना प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को ज्ञापन देगी। वे सेक्टर-29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले और ज्योति फूले के जीवन पर आधारित बहुचर्चित फिल्म 'फूले' को सेंसर बोर्ड द्वारा 16 कट्स लगाने के बाद 11 अप्रैल को रिलीज़ होने से रोक दिया गया, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है।

उन्होंने कहा कि यह घटना भारतीय जनता पार्टी की असल सोच को उजागर करती है। एक ओर वे संविधान, बाबा साहेब

और दलित अधिकारों की बातें करते हैं, और दूसरी ओर जब कोई फिल्म समाज के शोषण के खिलाफ आवाज़ उठाती है, तो उसे सेंसर के बहाने रोका जाता है। यह दोहरापन अब देश से छुपा नहीं है।

संजय सिंह ने स्पष्ट किया है कि यह सेंसरशिप केवल एक फिल्म पर नहीं, बल्कि पूरे दलित आंदोलन और सामाजिक न्याय के मूल्यों पर हमला है। जब 'कश्मीर फाइल्स' और 'केरल स्टोरी' जैसी नफरत फैलाने वाली फिल्मों को सरकार प्रचारित करती है, तब 'फूले' जैसी ऐतिहासिक, संवेदनशील और प्रेरणादायक फिल्म को रोका जाना एक सोची-समझी राजनीतिक साज़िश है। खास बात यह है कि इस फिल्म के निर्देशक ब्राह्मण समुदाय से हैं और उन्होंने समाज के सभी पक्षों को निष्पक्ष रूप से दिखाया है — पीड़ा भी और सहयोग भी। उन्होंने वक्फ बिल को असंवैधानिक बताया तथा कहा कि आम आदमी पार्टी इसका पुरजोर विरोध करती है।

प्रेसवार्ता के दौरान आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह के साथ दिल्ली विधान सभा के मुख्य सचेतक दिलीप पांडे, जिलाध्यक्ष राकेश अवाना, यूथ विंग उप्र के प्रदेश अध्यक्ष पंकज अवाना, किसान प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष अशोक कमांडो, जिला महासचिव कैलाश शर्मा, प्रवीण धीमान, विजय श्रीवास्तव, शंकर चौधरी, प्रदीप सुनैया, गौरव गौतम, जयकिशन जयसवाल भी मौजूद रहे।

रालोद नेताओं ने जोगेन्द्र सिंह अवाना का किया स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। राजस्थान के पूर्व विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री जोगिंदर सिंह अवाना को राष्ट्रीय लोक दल पार्टी ज्वाइन करने पर जिला अध्यक्ष जनार्दन भाटी के नेतृत्व में नोएडा विधायक के आवास पर जाकर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

इस मौके पर मनोज चौधरी पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमती हेमा पाठक प्रदेश महासचिव विजेंद्र यादव महानगर अध्यक्ष नोएडा महेश बरेला निशांत भाटी आजाद मलिक राजेंद्र भाटी फखरुद्दीन कोटिया जसवीर भाटी हाजी मोहम्मद अली राशिद अब्बासी सुमित भाटी जमील अहमद विनीत भाटी नीरज शर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'अखिलेश यादव को गोली मारने की धमकी देने वाले युवक पर हो कानूनी कार्रवाई'

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व

मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को गोली मारने की धमकी देने वाले युवक व उसके साथ मौजूद लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है। आपको बता दें कि सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें लखीमपुर खीरी का एक युवक समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को गोली मारने की धमकी दे रहा है उसके साथ कुछ लोग भी मौजूद हैं। सोशल मीडिया पर अखिलेश यादव को गोली मारने की धमकी देने वाले युवक पर कानूनी कार्रवाई करने की मांग को लेकर अधिवक्ता मनोज भाटी (बोड़ाकी) ने थाना सूरजपुर प्रभारी को एक ज्ञापन सौंपा है।

एडवोकेट मनोज भाटी बोड़ाकी ने ज्ञापन में कहा है कि 12 अप्रैल से सोशल मीडिया पर एक आपत्तिजनक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक युवक खुलेआम अपने तमाम साथियों के साथ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को खुलेआम गोली मारने की धमकी दे रहा है। वीडियो में उस युवक के साथ अन्य कई लोग भी मौजूद हैं जो चुपचाप वहां खड़े हुए उसे उकसा रहे हैं। इससे साफ प्रतीत होता है कि यह पूरी प्लानिंग के साथ किया गया है और प्रदेश की शांति तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था को क्षति पहुंचाने का प्रयास है।

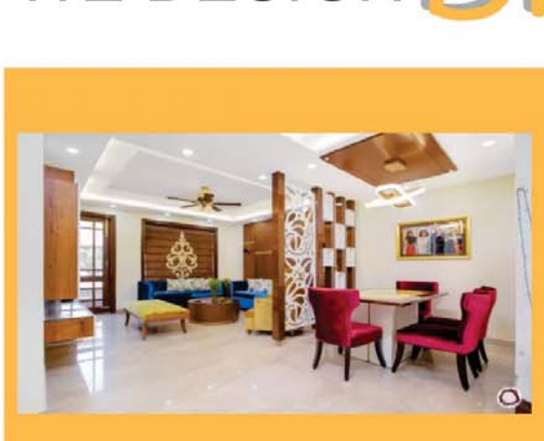

ज्ञापन में उन्होंने कहा है कि वीडियो में दिख रहे अमरेंद्र प्रताप सिंह पुत्र महिपाल सिंह निवासी लखीमपुर खीरी के विरूद्ध जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाए नहीं तो समाज में अराजकता का माहौल व्याप्त होगा।

सामाजिक संगठन सेडा ने पुलिस कर्मियों को बांटी फर्स्ट एड किट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा में अनेक सामाजिक संगठन समाज की सेवा का काम कर रहे हैं। इन्हीं संगठनों में शामिल है सोसायटी फॉर एनवायरमेंटल एण्ड डेवलपमेंट एलायन्स (सेडा) नामक प्रमुख सामाजिक संस्था। नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा में सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता आरपी सिंह राणा सेडा के माध्यम से समाजसेवा का अनोखा काम कर रहे हैं।

नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा में सक्रिय समाजसेवी आरपी सिंह राणा का मत है कि किसी भी घटना तथा दुर्घटना के समय प्राथमिक चिकित्सा का सबसे अधिक महत्व है। प्राथमिक चिकित्सा के इसी महत्व को समझते हुए आरपी सिंह राणा नोएडा पुलिस कमिश्नरी के पुलिस के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को फर्स्टएड किट नि:शुल्क बांट रहे हैं। यह काम सेडा नामक सामाजिक संगठन की देख-रेख में किया जा रहा है। अभी तक सेडा के पदाधिकारी दर्जनों की संख्या में फर्स्टएड किट नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा में तैनात पुलिसकर्मियों को बांट चुके हैं।

सेडा द्वारा जारी एक प्रेस नोट में बताया गया है कि बुधवार को सेवायोगी आरपी सिंह राणा द्वारा ग्रेटर नोएडा के बीटा एवं कासना थाने के अतिरिक्त विभिन्न पुलिस चौकियों जैसे साइट-5 व UPSIDA गेट पुलिस चौकी एवं पिंक पुलिस बूथ तथा कुछ 112 पुलिस पेट्रोलिंग कैब को 'प्राथमिक चिकित्सा किट' साभार भेंट किया गया। भारत के भूतपूर्व राष्टपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा राणाजी राष्ट्रपति भवन में सम्मानित हैं एवं पिछले डेढ़ दशकों से अधिक समय से सेडा, सेवाभूमि एवं पांचजन्य जैसे कई अग्रणी सामाजिक संगठनों के मानद अध्यक्ष एवं प्रमुख ट्रस्टी रहते हुए सद्भावना एवं विभिन्न सामाजिक कार्यों में तल्लीन हैं। इससे पूर्व गौतमबुद्धनगर जनपद कारागार में भी 02 मेडिकल बॉक्स प्रदान किए जा चुके हैं।

इस अवसर पर जिला जेल अधीक्षक बृजेश कुमार तथा विभिन्न थाना एवं पुलिस चौकियों के इंचार्ज के साथ ही सेडा के उपाध्यक्ष व सेक्टर-36 ग्रेटर नॉएडा के कोषाध्यक्ष सुजीत कुमार तिवारी, सेडा के वरिष्ठ सदस्य बिपिन कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

सेडा के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पदाधिकारीगण ने एक मुलाकात में जिले के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त IPS अजय कुमार से मुलाकात कर गौतमबुद्धनगर जनपद के पूरे थानों, पुलिस चौकियों और पिंक पुलिस बूथ की लिस्ट की मांग की जिससे निकट भविष्य में सामाजिक संस्थाओं सेडा एवं सेवाभूमि द्वारा सभी जगह 'फर्स्ट-एड किट' प्रदान की जा सके।